

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सरकार बोली-जल्दबाजी में नतीजे न निकालें

नई दिल्ली/अहमदाबाद। अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया प्लेन हादसे में पायलट की गलती की खबरों को सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू ने गलत बताया है। नायडू ने विदेशी मीडिया से भी संयम बरतने की अपील की है। साथ ही जल्दबाजी में किसी नतीजे पर न पहुंचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा- एअरआईबी की जांच जारी है। फाइनल जांच रिपोर्ट जारी होने तक कोई कमेंट न करें। अहमदाबाद प्लेन हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। नायडू की यह टिप्पणी विदेशी मीडिया की उन खबरों के बीच आई, जिनमें कहा गया कि हादसे की वजह पायलट की एक गलती थी। बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 को कैप्टन सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। दरअसल, अमेरिकी मीडिया हाउस वॉल स्ट्रीट जनरल ने 17 जुलाई को पब्लिश एक रिपोर्ट में आशंका जताई कि विमान के पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल ने दोनों इंजनों में फ्यूल की सलाई रोकी थी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों-सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर शुरू

जम्मू, एजेंसी। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, डाचन इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों के इलाके में छिपे होने की संभावना है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। ऑपरेशन जारी है और अधिक जानकारी का इंतजार है। इससे पहले 26 जून को उधमपुर में बसंतगढ़ इलाके में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकी मारा गया था। 23 अप्रैल को बारामूला के उरी सेक्टर में एलओसी के पास आतंकी घुसपैट की कोशिश की गई थी। सेना ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने 2-3 आतंकियों को घुसपैट की कोशिश करते देखा था। अखनूर में 12 अप्रैल को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए थे। अखनूर के करी बडुल इलाके में एक रात पहले एनकाउंटर शुरू हुआ था। इसके अलावा 11 अप्रैल को ही किश्तवाड़ के जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था।

राजस्थान के नागौर में सड़क पर मछलियां तैरें

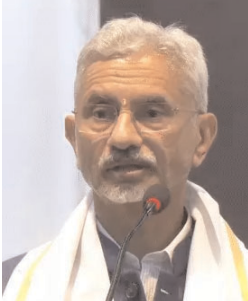
नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में हो रही भारी बारिश आफत बन गई है। नागौर में तालाब भर गए हैं और पानी बाहर आ गया है, सड़क पर सैकड़ों मछलियां तैर रही हैं। वहीं, पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण अलग-अलग हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। यूपी में लगातार बारिश से गंगा, यमुना और मंदाकिनी जैसी नदियां उफान पर हैं। काशी में 84 घाट डूबने के बाद अंब गंगा का पानी अस्सी घाट की सड़क तक पहुंच गया है। गंगा के साथ वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है।

ब्रिटेन और मालदीव की 4 दिवसीय यात्रा पर जाएंगे प्रधानमंत्री


कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु के निमंत्रण पर 25 से 26 जुलाई तक मालदीव की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार से ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा का उद्देश्य व्यापार, निवेश और रक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यात्रा के दौरान दोनों पक्ष व्यापार और अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर विशेष ध्यान देते हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे। लंदन से मोदी मालदीव जाएंगे। वह मुख्य रूप से 26 जुलाई को मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने मालदीव जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने

जयशंकर बोले- इमरजेंसी के आखिरी दिन यूपीएससी का इंटरव्यू दिया


नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को अपने यूपीएससी इंटरव्यू का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि जिस दिन 21 मार्च 1977 को देश में इमरजेंसी खत्म की गई थी, उसी दिन उनका यूपीएससी का इंटरव्यू हुआ था। जयशंकर ने बताया कि वे उस समय 22 साल के थे और दिल्ली के शाहजहां रोड पर मौजूद यूपीएससी कार्यालय में इंटरव्यू देने वाले सुबह के पहले

थरुट बोले-पहली वफादारी देश के लिए, पार्टी के लिए नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरुट ने कहा कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं। थरुट शनिवार को कोच्चि में शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय विकास पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। थरुट ने कहा कि पार्टियां सिर्फ एक रास्ता हैं, देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं। अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा? इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा- जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो

चंदन मिश्रा हत्याकांड-शूटर तौसीफ समेत 4 अरेस्ट

पटना, एजेंसी। पटना के पारस अस्पताल में 17 जुलाई को हुई गैंगस्टर चंदन मिश्रा हत्याकांड के पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि,

वारदात को अंजाम देने के बाद शूटर अलग अलग जगहों पर भाग गए थे। रेड कर के कई लोगों से पूछताछ की गई। इन लोगों की निशानदेही पर तौसीफ की गिरफ्तारी

पंजाब में आप की महिला विधायक का इस्तीफा नामंजूर

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने खरड़ से महिला विधायक अनमोल गगन मान का इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। उनके इस्तीफे और राजनीति छोड़ने के पेलान के 24 घंटे के भीतर पार्टी के प्रदेश प्रधान अमन अरोड़ा मान के घर पहुंचे। इसके बाद अरोड़ा ने कहा- मान से पारिवारिक माहौल में मुलाकात हुई। पार्टी ने विधायक पद से उनका

इस्तीफा नामंजूर करने का फैसला किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। उन्होंने उनसे पार्टी और क्षेत्र की प्रगति के लिए मिलकर काम करते रहने का आग्रह किया। बता दें कि अनमोल गगन मान पंजाब की मशहूर सिंगर व मॉडल रह चुकी हैं। इसके लिए उन्होंने अपनी पढ़ाई तक छोड़ दी थी। इसके बाद वह मिस वर्ल्ड पंजाब का कंपीटिशन में मिस मोहाली भी रहीं।

कांवड़ यात्रा में नमो भारत ट्रेन बनी वरदान, यात्रियों की संख्या में 40 प्रतिशत बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सावन की कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली-मोदीनगर-मेरठ मार्ग पर यातायात व्यवस्था बदल दी गई है। हाईवे की एक तरफ कांवड़िए चल रहे हैं, तो दूसरी तरफ से आने-जाने वाले वाहन गुजर रहे हैं। इससे मोदीनगर, मुरादनगर सहित कई इलाकों में लंबा जाम लग रहा है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। ऐसे में, मेरठ साउथ स्टेशन से न्यू अशोक नगर तक चल रही नमो भारत ट्रेन मोदीनगर, मेरठ और मुरादनगर के लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। पिछले कुछ दिनों में नमो भारत ट्रेन में यात्रा करने वालों की संख्या

में 40 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दिल्ली से मेरठ तक नमो भारत कॉरिडोर का निर्माण कर रही एनसीआरटीसीके सीपीआरओ पुनीत वत्स के अनुसार, कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन की फ्रीक्वेंसी पहले ही बढ़ा दी गई थी। कांवड़ यात्रा से पहले नमो भारत ट्रेन हर 15 मिनट पर आती थी, जबकि अब यह 10 मिनट के अंतराल में स्टेशन पर पहुंच रही है। मोदीनगर, मुरादनगर और मेरठ के आसपास रहने वाले लोग जो रोजाना गाजियाबाद, नोएडा या दिल्ली नौकरी करने या दूसरे कामों से जाते हैं

उद्धव बोले- सरकार सेना की बहादुरी का श्रेय न लें

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाया कि जब सेना ने साहस दिखाया, तो फिर सरकार ने उनके कदम क्यों रोके? क्या सरकार किसी दबाव में थी? उन्होंने कहा कि सेना की बहादुरी का श्रेय किसी सरकार को नहीं जाना चाहिए। उद्धव ने ये बातें पार्टी के मुखपत्र सामना को दिए इंटरव्यू में कहीं। दरअसल विपक्ष के सभी नेता 21 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र में ऑपरेशन और हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं। हर्ष और भीम दीक्षा के रहने वाले हैं। हर्ष और भीम निशु के साथ ही रहते थे।

शुक्रवार को दावा किया था कि, इस युद्ध में कम से कम 5 जेट मार गिराए गए थे। हालांकि ये जेट विमान किस देश के थे, इसका खुलासा नहीं किया। इसको लेकर राहुल ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया था- मोदी जी, 5 जहाजों का सच क्या है? देश को जानने का हक है! एक दिन पहले उद्धव ठाकरे के इंटरव्यू का पहला पार्ट आया था उद्धव के शिवसेना के मुखपत्र सामना को दिए इंटरव्यू का पहला पार्ट शनिवार को जारी हुआ था। इस दौरान ठाकरे ने कहा- ठाकरे एक ब्रांड नहीं महाराष्ट्र, मराठी मानुष और सरकार से जवाब चाहती है। ट्रम्प ने

रूम में बैठी थीं। दरअसल, शिवराज पक्षी के साथ गुजरात

के धार्मिक व सरकारी दौरे पर थे। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग और

अहमदाबाद में एक ही परिवार के 5 लोगों का सुसाइड

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद जिले के बगोदरा गांव में शनिवार रात एक ही परिवार के 5 लोगों ने जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली। मरने वालों में पति, पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे शामिल हैं। मृतकों की पहचान विपुल वाघेला (32), उनकी पत्नी सोनल (26), बेटी करीना उर्फ सिमरन (11), बेटी मयूर (8) और बेटी प्रिंसी (5) के रूप में हुई है। ऑटो चलाते थे विपुल वाघेला बगोदरा बस स्टेशन के पास किराए के मकान में रहने वाले परिवार के मुखिया विपुल वाघेला ऑटो चलाकर परिवार का गुजर-बसर करते थे। प्राथमिक जांच में घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसके चलते अब तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि, सुसाइड का कारण आर्थिक तंगी

बताया जा रहा है। पांचों ने रात में जहर खा लिया शनिवार की रात पांचों सदस्यों ने रात में जहर खा लिया था, जिससे सभी की मौत हो गई। सुबह घर से किसी सदस्य के बाहर न आने पर पड़ोसियों को शक हुआ। जांच करने पर सभी की मौत का पता चला। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सिविल अस्पताल भेजे गए शव मकान मालिक वधाभाई अमराभाई बोलिया ने बताया- परिवार एक महीने से मेरे यहां रह रहा था। हमने ही सुबह पुलिस को फोन किया। सूचना मिलते ही अहमदाबाद ग्रामीण एसपी, धंधुका डिवीजन के एसएसपी, एलसीबी पीआई, एसओजी पीआई और एफएसएल अधिकारियों सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का एक काफिला भी घटनास्थल पर पहुंचा।

अमृतसर में 80 करोड़ की हेरोइन जब्त

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब में नशा तस्करी के खिलाफ चल रही मुहिम को आज बड़ी कामयाबी मिली है। नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अमृतसर के छेहटा इलाके में एक युवक को 15 किलो 400 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त की गई हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 80 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रभजीत सिंह पुत्र कवलजीत सिंह,

निवासी गांव मोदे, हलका अटारी, अमृतसर के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, वह स्विफ्ट कार से पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगवाई गई हेरोइन को लेकर अमृतसर की ओर जा रहा था। रास्ते में पुलिस ने गाड़ी रोकी और तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद की। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

कांग्रेस बोली- पहलगाम-सीजफायर पर मोदी जवाब दें

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को सभी दलों की बैठक हुई। कांग्रेस सांसद गौरव गोहोई ने कहा- इस सत्र में हम पहलगाम हमले, सीमाओं पर संघर्ष, ट्रम्प का सीजफायर दावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे मुद्दों को उठाएंगे। प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख होते हैं, उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे संसद के जरिए इन मुद्दों पर देश को जानकारी दें। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा- सदन चलाना सभी की जिम्मेदारी है।

सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही डोनाल्ड ट्रम्प के ऑपरेशन सिंदूर पर किए दावों पर भी उचित जवाब देगी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में डेढ़ घंटे से ज्यादा चली मीटिंग में कई वरिष्ठ मंत्री, एनडीए और विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा और पास करने का काम किया जाएगा। केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 विधेयक (बिल) पेश करने जा रही है।

45 लाख की साइबर ठगी का आरोपी विदिशा से गिरफ्तार

बीजेपी नेता के बेटे को सीबीआई अधिकारी बनकर डराया; लैपटॉप-मोबाइल जब्त

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कोतमा पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में विदिशा से 32 वर्षीय सौरभ शर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने गिरोह के साथ मिलकर अनूपपुर जिले के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अवधेश ताम्रकार के पुत्र आशीष ताम्रकार से 45 लाख रुपए ठगे।

थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला ने बताया कि आरोपियों ने खुद को सीबीआई अधिकारी, जज, हाईकोर्ट वकील और पुलिस अफसर बताया। पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर रुपए छेड़ें। पुलिस ने आरोपी से लैपटॉप,



मोबाइल और ठगी से जुड़े दस्तावेज बरामद किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक शॉप मालिक आशीष ताम्रकार ने 2017 में वायदा बाजार में निवेश किया था। इससे उन्हें 23 लाख रुपए मिलने वाले थे। ठगी ने इस राशि को हवाला का पैसा बताया। आरोपियों ने अलग-अलग मोबाइल नंबरों से संपर्क किया। स्क्रीन पर पुलिस सायरन बजाकर पीड़ित को धमकाया।

दो आरोपियों की पहले हो चुकी मौत: गिरोह का मुख्य सरगना महेंद्र शर्मा 2022 में मारा जा चुका है। उस पर विदिशा और अन्य जिलों में 30 से ज्यादा अपराध

दर्ज थे। एक अन्य आरोपी रवि डेहरिया की दो माह पहले सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। लकी कुमावत और चित्रांश ठाकुर सहित अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

ठगी के साथ जमीन दलाली भी: गिरोह ने भोपाल में आरबी ट्रेडर्स और तिरुपति फिन्टेक जैसी फर्जी कंपनियां खोली थीं। भोपाल में पकड़े जाने के डर से विदिशा में नए नाम से कंपनी शुरू की। आरोपी अलग-अलग नंबरों और बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। गिरफ्तार आरोपी सौरभ शर्मा ठगी के अलावा प्राइवेट काम और जमीन दलाली भी करता था।

ब्रेक फेल हुई बस को ट्रक ने रोका, 50 कांवड़ियों की जान बची; रायपुर से मैहर जा रही थी यात्री बस

मीडिया ऑडीटर, शहडोल थाना परिसर में कांवड़ियों के लिए (निप्र)। जिले में रायपुर से मैहर जा रही कांवड़ियों से भरी एक बस रिवार तड़के हादसे का शिकार होते-होते बच गई। दरअसल, पतखड़ी घाट से उतरते वक्त बस के ब्रेक अचानक फेल हो गए। उस समय बस में 50 से अधिक कांवड़िए सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। बस की रफ्तार घाट पर अनियंत्रित हो रही थी, तभी ड्राइवर ने सामने से आ रहे ट्रक को देखते हुए इशारा किया। उसने आवाज देकर ट्रक ड्राइवर को अलर्ट किया।



बस के सामने ट्रक ड्राइवर ने रोका वाहन: ट्रक ड्राइवर ने स्थिति को समझते हुए अपनी ट्रक को बस के सामने रोक दिया। इससे बस की रफ्तार थमी और एक बड़ा हादसा टल गया। सिंहपुर थाना प्रभारी मुन्ना लाल राहंडाले ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी यात्रियों को सुरक्षित बस से बाहर निकाला गया। घटना में बस का आगे का कांच टूट गया, लेकिन कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ।

कांवड़ियों को थाना परिसर में लाकर उनके लिए चाय-नाश्ते की व्यवस्था की। दूसरी बस की व्यवस्था होने तक सभी को वहीं आराम करने दिया गया। बाद में उन्हें दूसरी बस से सुरक्षित उनकी यात्रा के लिए रवाना किया गया। कांवड़ियों ने ट्रक ड्राइवर की सूझबूझ और साहसिकता के लिए आभार जताया। पुलिस ने भी ट्रक चालक की बहादुरी की सराहना की और कहा कि उसकी तत्परता से कई लोगों की जान बच गई।

श्री महामृत्युंजय मंदिर में 21 से श्रावणी जाप, 22 को भंडारा



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व प्रसिद्ध श्री महामृत्युंजय मंदिर, रीवा में कलाकार मंच के तत्वावधान में 21 जुलाई को सुबह 10 बजे से एक दिवसीय महामृत्युंजय जाप का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सावन मास में विंध्य क्षेत्र के कल्याण और सुख-शांति के लिए रखा गया है। सभी शिव भक्त और नगरवासी इसमें शामिल हो सकते हैं। 22 जुलाई को दोपहर 12 बजे से हवन-पूजन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन होगा। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, संयोजक सुमित मौजवानी, संरक्षक सी.बी. शुक्ला, के.के. पर्रौहा, ज्योति सिंह, राहुल मिश्रा, विनोद तिवारी, डी.पी. सिंह परिहार, रमभी शुक्ला, अविराज, विजय मोहन तिवारी, अवधेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष प्रवीर चंद दुबे, महिला अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह, युवा अध्यक्ष विकास सेन आर्यन, कार्यकारी अध्यक्ष उमेश कुशवाहा सहित सभी सदस्यों ने नगरवासियों से इस आयोजन में शामिल होकर धार्मिक आस्था प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। हिन्दू धर्म परिषद ने इस जनकल्याणकारी आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

आपदा की स्थिति में उपयुक्त भवनों को अधिग्रहण करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए आधी, बाढ़ या अन्य प्रत्यांशित आपदा आने से सुरक्षित स्थान जैसे की सरकारी भवन, सामुदायिक भवन गैर सरकारी संस्थान में प्रवास कराने एवं उपयुक्त भवनों को अधिग्रहण करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेशानुसार अनुविभाग गोपद बनास के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपद बनास को, चुरहट के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चुरहट को, मझौली के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मझौली, कुसमी के लिए अनुविभागीय अधिकारी कुसमी एवं सिहावल के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिहावल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने निर्देशित किया है कि प्राकृतिक आपदा के दौरान नियुक्त नोडल अधिकारी आवश्यकता अनुसार अपने स्तर से अधिकारियों/कर्मचारियों की पर्याप्त मात्रा में ड्यूटी लगाया जाना सुनिश्चित करें।

जिला न्यायालय में कार्यालय सहायक, रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय भृत्य के पदों के साक्षात्कार 27 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली की लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम अंतर्गत कार्यालय स्टॉफ कार्यालय सहायक, रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय भृत्य पद पर 01 वर्ष की सविदा नियुक्ति के लिए साक्षात्कार जिला न्यायालय परिसर स्थिति एडीआर भवन में कार्यालय सहायक, रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर पद का 27 जुलाई को प्रातः 08.00 बजे एवं कार्यालय भृत्य पद का 27 जुलाई को दोपहर 02.00 बजे से साक्षात्कार समाप्त होने तक साक्षात्कार समिति द्वारा लिया जावेगा।

पुलिस ने चोरी के शक में युवक को पीटा

20 हजार रिश्वत नहीं देने पर एनडीपीएस एक्ट में फंसने की धमकी दी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट थाना क्षेत्र में पुलिस की कथित ज़्यादाती का मामला सामने आया है। चुरहट में रहने वाले टिकू पांडे को पुलिस 9 जुलाई को दोपहर में घर से उठा ले गई। पुलिस ने काली माता की मूर्ति की आंख चोरी के मामले में पूछताछ का बहाना बनाया। हेड कांस्टेबल नितेश प्रजापति और महाराणा प्रताप ने टिकू को थाने ले जाकर एक कमरे में बंद कर दिया। यहां उससे न तो थाना प्रभारी ने पूछताछ की और न ही कोई औपचारिक कार्रवाई की गई। इसके बजाय पुलिसकर्मियों ने उसे डंडों से पीटा।



पुलिस ने पीड़ित से 20 हजार रिश्वत मांगी: पीड़ित का आरोप है कि हेड कांस्टेबल नितेश प्रजापति ने उससे 20 हजार रुपए की मांग की। उन्होंने धमकी दी कि पैसे नहीं देने पर एनडीपीएस एक्ट में फंसा देंगे। पैसे देने में असमर्थता जताने पर टिकू को रातभर थाने में बंद रखा गया। रात 2 बजे उसे गंभीर हालत में छोड़ा गया।

पीड़ित ने कार्रवाई करने आईजी से की शिकायत: अगले दिन टिकू की हालत बिगड़ने पर उसे चुरहट अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर वरुण सिंह ने मेडिकल रिपोर्ट में मारपीट की पुष्टि की। हालत गंभीर

होने पर उसे रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया। वहां उसका 6 दिन तक इलाज चला। पीड़ित ने इस मामले में आईजी से शिकायत की है। शनिवार रात में पीड़ित रीवा संजय गांधी अस्पताल से घर आया। इसके बाद पर रिवार को एसपी से मिलने गया था। लेकिन एसपी ने उसे कुल सोमवार के लिए मिलने के लिए बुलाया है।

कांग्रेस ने की कार्रवाई की मांग: कांग्रेस पार्टी के जिला महामंत्री ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री ने टिकू पांडे के साथ मारपीट में पुलिस की सलिपता है। नाजायज तरीके से

उनके साथ टॉर्चर किया गया और मारपीट की गई। पूरा परिवार थाने के आसपास ही रहता है और वह डरा हुआ है। मुझे जानकारी मिली है कि उसी दिन बीएमओ डॉक्टर वरुण सिंह के ऊपर जबरदस्ती दबाव बनाकर उसका फिटनेस बनवाया गया है। फिर जब वह संजय गांधी अस्पताल में एडमिट हुआ और आईजी को आवेदन दिया इसके बाद मामला सभी के संज्ञान में आया है। इस पूरे मामले पर उचित समय में अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है तो निश्चित ही तौर पर यह आंदोलन का रूप ले सकता है।

शराब पीकर बस स्टैंड पर किया हंगामा गालियां देने पर लोगों ने नशेड़ी को चप्पलों से पीटा, वीडियो आया सामने



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन बस स्टैंड पर रविवार दोपहर 2 बजे एक शराबी ने हंगामा कर दिया। नशे में धुत व्यक्ति ने राहगीरों के साथ गाली-गलौज की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर लोग शेयर कर रहे हैं। घटना के वक्त मौजूद लोगों ने बताया कि शख्स ने पास की शराब दुकान से पीकर आया था। वह बस स्टैंड में खड़े लोगों से बदतमीजी करने लगा। उसकी हरकतों से वहां अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर उसकी चप्पलों से पिटाई कर दी और बस स्टैंड से भगा दिया।

स्थानीय व्यापारी बोले- आए उत्पाद

मचाते हैं शराबी: स्थानीय दुकानदार समयलाल गुप्ता के मुताबिक, बस स्टैंड के पास देसी और अंग्रेजी शराब की दुकानें हैं। यहां आए दिन नशेड़ी हंगामा करते रहते हैं। आज भी शराबी युवक ने सार्वजनिक स्थल पर उपद्रव मचाया। इससे लोगों को परेशानी हुई।

पुलिस को नहीं मिली कोई शिकायत: थाना रामपुर नैकिन के प्रभारी सुभांशु तिवारी को घटना की जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलते ही मामले की जांच की जाएगी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन तब तक शराबी और मारपीट करने वाले लोग वहां से जा चुके थे।

मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस संगठन चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न

वरुण गूजर ने जताया मतदाताओं और समर्थकों का आभार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस के संगठन चुनाव प्रक्रिया सकुशल संपन्न हो गई है। इस अवसर पर सतना से जिलाध्यक्ष पद के प्रत्याशी वरुण गूजर (डिंकल) ने सभी मतदाताओं और समर्थकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। वरुण गूजर ने कहा, "सभी मतदाताओं का धन्यवाद और आभार, जिन्होंने इस चुनाव में भाग लिया। नवनिर्वाचित यूथ कांग्रेस सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं। मैं उन सभी साथियों का तहेदिल से आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से मेरा साथ दिया और पूरी मेहनत के साथ युवा कांग्रेस के सदस्य बनाए।" उन्होंने आगे कहा, "आप सभी का स्नेह और साथ इसी प्रकार बना रहे। हम सब मिलकर संगठन को और मजबूत करेंगे और युवाओं की आवाज बनकर आगे बढ़ेंगे।" वरुण गूजर ने संगठन को मजबूती प्रदान करने और युवाओं के हितों के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस चुनाव के माध्यम से यूथ कांग्रेस ने युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम उठाया है।



खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई



प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत समस्त ऋणी व अऋणी किसान 31 जुलाई 2025 तक फसलों का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पटवारी हल्का स्तर पर अरहर, मक्का एवं धान, तहसील स्तर पर तिल, ज्वार एवं कोदो कुटकी तथा जिला स्तर पर उड़द एवं मूंग फसलों को अधिसूचित किया गया है। किसानों के लिए खरीफ मौसम में प्रीमियम दर अनाज, तिलहन, दलहन सभी फसलों के लिए बीमित

राशि का 2 प्रतिशत या वास्तविक दर जो भी कम हो देय होगी। उप संचालक कृषि श्री श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत धान सिंचित फसल की बीमाधन राशि प्रति हेक्टेयर 42 हजार 900 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 858 रुपये है, धान असिंचित फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 32 हजार 400 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 648 रुपये है।

अरहर फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 30 हजार 600 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 612 रुपये है, मक्का फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 31 हजार 350 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 627 रुपये है मूंग फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 100 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 482 रुपये हैं उड़द फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 50 रुपये है जिसकी 2

प्रतिशत बीमाकन राशि 461 रुपये हैं तिल फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 780 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 495.60 रुपये हैं ज्वार फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 923 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 478.46 रुपये है, कोदो कुटकी फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 15 हजार 803 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 316.06 रुपये हैं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसल बीमा करवाने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है।

अऋणी कृषक (अल्पकालिक फसल ऋण न लेने वाले कृषक) अपनी फसलों का बीमा अपनी नजदीकी बैंक/शाखा जहाँ कृषक का बैंक खाता है के माध्यम से नजदीकी सी.एस.सी सीन्टर के द्वारा कर सकते हैं, या फिर 1 प इंश्योरेंस एप को किसान भाई गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर स्वयं भी कर सकते हैं।

जिला अस्पताल में ब्लड बैंक सिंडिकेट का खेल, रामभाई त्रिपाठी पर सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला अस्पताल के पर लाखों रुपये खर्च किए। यह कर्मचारी अपने काले कारोबार के ब्लड बैंक में लाल खून की काली कमाई का गोरखधंधा थमने का नाम नहीं ले रहा। इसके पीछे एक संगठित सिंडिकेट सक्रिय है, जिसके सरगना के रूप में ब्लड बैंक कर्मचारी रामभाई त्रिपाठी का नाम सामने आ रहा है। आरोप है कि यह सिंडिकेट लंबे समय से खून की दलाली में लिप्त है, और कई सिविल सर्जन व सीएमएचओ के कार्यकाल बदलने के बावजूद इसका प्रभाव कम नहीं हुआ।सूत्रों के मुताबिक, रामभाई का हाल ही में तबादला हुआ था, लेकिन कथित तौर पर एक स्थानीय नेता की कृपा और मोटी कमाई के दम पर इसे रह करवा लिया गया। चर्चा है कि रामभाई ने उक्त नेता के जन्मदिन



को बेरोकटोक जारी रखे हुए है। सीएमएचओ एल.के. तिवारी ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ब्लड बैंक के जिम्मेदारों पर कार्रवाई जरूर होगी। अब यह देखना बाकी है कि क्या रामभाई पर कोई ठोस कार्रवाई होगी या यह सिंडिकेट यूं ही चलता रहेगा।

आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान बना बेसहारा बेवा का सहारा, मानवता की मिसाल



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगांव जनपद के पटना पंचायत के डांडीन गांव में आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने एक बेसहारा बेवा महिला, राजा बाई मवासी, के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। करीब एक वर्ष पहले राजा बाई के घर में आग लगने से उनकी पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई थी, जिसके बाद वह एक घास की झोपड़ी में रहने को मजबूर थीं। बारिश के मौसम में उनकी स्थिति और दयनीय हो गई, लेकिन शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने उनकी कोई सुध नहीं ली।ऐसे में आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान के प्रमुख आशुतोष द्विवेदी ने उनकी पीड़ा को समझा और चित्रकूट के समाजसेवी राकेश शर्मा के सहयोग से राजा बाई के घर में सीमेंट का शेड लगवाया। इतना ही नहीं, आशुतोष ने निजी खर्च से घर की मरम्मत करवाई और अनाज, वस्त्र व बच्चों के लिए उपहार भी प्रदान किए। इस सेवा कार्य में जावेद सिंह राहुल और बालमुकुंद पांडेय महलीखेर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। गांव के बच्चों की मुस्कान और राजा बाई की आंखों में आंसू इस मानवीय प्रयास की जीवंत तस्वीर पेश करते हैं। यह मामला जहां प्रशासनिक संवेदनहीनता को उजागर करता है, वहीं यह भी दर्शाता है कि सच्ची नीयत से एक व्यक्ति समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है। आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान के इस कार्य की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है।

बस ने बाइक को मारी टक्कर, टायर में फंसा युवक; आरोपी ड्राइवर फरार



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैदैन-छत्तीसगढ़ की सीमा पर छाबड़ा टेक्स्ल की बस ने एक बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक बस के पिछले टायर में फंस गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना रविवार दोपहर 12 बजे की है।

बैदैन से अंबिकापुर जा रही थी बस: हादसा बैदैन थाना क्षेत्र के गोभा बॉर्डर और छत्तीसगढ़ के बलंगी थाना क्षेत्र के बीच हुआ। बस बैदैन से अंबिकापुर जा रही थी। हादसे के समय बस की रफ्तार तेज थी। युवक सड़क के किनारे मोटरसाइकिल से जा रहा था। गोवा चौकी प्रभारी नौरज सिंह चौहान को घटना की सूचना मिली। मौके पर जांच में पता चला कि घटनास्थल छत्तीसगढ़ के बलंगी थाने की सीमा में आता है। इसके बाद बलंगी पुलिस को सूचना दी गई।

युवक की नहीं हो पाई शिनाख्त: पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। बलंगी पुलिस ने बताया कि अभी तक मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा के लिहाज से बस को थाने में खड़ा करवाया गया है। पुलिस बस ड्राइवर की तलाश कर रही है।

हाथियों का दल अनूपपुर की ओर बढ़ा, ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। शहडोल और बुढ़ार वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहे चार हाथियों का दल रविवार सुबह खोह बीट के जंगल में पहुंच गया। यह क्षेत्र अनूपपुर जिले के बड़हर गांव से सटा हुआ है। शनिवार देर रात हाथियों ने बुढ़ार के अरझुली गांव के गर्जनटोला में ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ की। इसके बाद तुरी और दलान होते हुए वे खोह बीट के जंगल में पहुंचे। वन विभाग को आशंका है कि हाथी देर रात बड़हर क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। बुढ़ार और अनूपपुर वन परिक्षेत्र के अधिकारी हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने मुनादी के जरिए ग्रामीणों को शाम होते ही सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। बरसात का मौसम होने के कारण ग्रामीण चिंतित हैं। उनके कच्चे मकान और खेती-बाड़ी को नुकसान की आशंका है। वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने की हिदायत दी है।



विचार

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परीसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुंचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी हैं। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ 'उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है।

पुलिस-प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती सकुशल कांवड़ यात्रा संपन्न करवाना

दीपक कुमार त्यागी

हर वर्ष की तरह ही इस बार भी पवित्र श्रावण मास में देवाधिदेव भगवान महादेव के करोड़ों शिव भक्त को शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में सकुशल कांवड़ यात्रा करवाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। जिसको संपन्न करवाने के लिए अराखंड, उर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान का पुलिस-प्रशासन दिन-रात एक करके अपने पूरे दल-बल के साथ धरातल पर व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। पुलिस-प्रशासन को कांवड़ियों की संया में इस वर्ष भारी इज़ाफ़ा होने की उमीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर अराखंड व उर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरफ तो जहां कांवड़ियों की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिमेदारी है, वहीं दूसरी तरफ इन करोड़ों शिवभक्त कांवड़ियों के लिए समुचित व्यवस्था बनाने की जिमेदारी है, जिसमें दोनों राज्यों का शासन व पुलिस-प्रशासन दिन-रात जुटा हुआ है।



वैसे देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से वर्ष दर वर्ष कांवड़ लाने वाले शिवभक्तों की संख्या में भारी इज़ाफ़ा हुआ है। क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर पुलिस-प्रशासन के द्वारा जिस तरह से उत्तर प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों का सेवाभाव के साथ पलक-पांवड़े बिछाकर के स्वागत किया जाता है और कांवड़ियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका माइक्रो लेवल पर विशेष ध्यान रखा जाता है, इस स्थिति ने कांवड़ियों की संख्या में भारी इज़ाफ़ा करने के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लाखों शिवभक्त कांवड़ियों के बीच छिपे हुए चंद अराजकता फैलाने की मंशा रखने वाले हड़दंगियों की आखिरकार वह कैसे पहचान करें। हालांकि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के पास भक्तों की इस तरह की भारी भीड़ को नियंत्रण करने व उनके लिए समुचित व्यवस्था करने का दशकों पुराना लंबा अनुभव है, जिस अनुभव के ही बलबूते पर ही इन दोनों राज्यों का सिस्टम हर वर्ष ऐसे मेलों में उत्पन्न विकट से विकट

परिस्थितियों से भी आसानी से निपट लेता है।

लेकिन इस बार शुरूआती दिनों से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है, शुरू के दिनों की बात करें तो प्रशासन के द्वारा 10 जुलाई से हरिद्वार में जल लेकर अपने गंतव्य स्थल पर जाने वाले कांवड़ियों की गिनती शुरु की गई थी। प्रशासन के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 10 जुलाई से लेकर 15 जुलाई मंगलवार की शाम 6:00 बजे तक 80 लाख 90 हजार कांवड़िए गंगा जल लेकर के अपने गंतव्य की तरफ वापस चल दिए, कांवड़ियों की यह संख्या प्रतिदिन बहुत तेज़ी से बढ़ती जा रही है, वहीं साथ ही चंद हड़दंगियों के द्वारा बवाल भी किया जाने लगा है। जिसके चलते ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश में शुरूआती दौर के दिनों में ही कांवड़ मार्ग के अधिकांश रास्तों को वन-वे तक करना पड़ गया है। हालांकि इससे आम लोगों को काफी असुविधा भी हो रही है। लेकिन पुलिस-प्रशासन क्या करें देश में जिस तरह का माहौल चल रहा है, उस स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा की पूरी व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए यह एक बेहद आवश्यक कदम है। इसलिए ही गंगा से लेकर मंदिर व कांवड़ यात्रा मार्ग पर अब चप्पे-चप्पे पर होमगार्ड, ट्रेफिक पुलिस, पुलिस, पीएसी, आरएफ, एटीएस आदि का सख्त पहरा नज़र आने लगा है।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारभूत आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धजियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगुणा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये

थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकेने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंडते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आमतो हो गयी है। देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंसाधन संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर



विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी

उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक

घाटों पर एनडीआरएफ व गोताखोरों की टीम दल-बल के साथ तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर जगह-जगह अग्निशमन विभाग के जांबाज भी तैनात हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी स्वयं पूरी टीम के साथ सड़कों पर उतरे हुए हैं और एक एक व्यवस्था को खुद परखने का कार्य कर रहे हैं।

क्योंकि इस बार शुरूआती दौर से ही कांवड़ यात्रा में उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में हुए विवादों व तोड़फोड़ की कुछ घटनाओं ने पुलिस-प्रशासन को सोचने पर मजबूर कर दिया है। क्योंकि इस बार विवाद के अधिकांश मामलों को बिना वजह की ही बात के बतंगड़ बनाकर के तूल देने के प्रयास किए गए, जिन्हें पुलिस-प्रशासन ने तत्काल ही समझदारी से सूझबूझ दिखाते हुए शांत करवाने का कार्य करते हुए, हड़दंगियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए माहौल को सामान्य करने का कार्य बखूबी किया है। विवादों की इन चंद घटनाओं के चलते ही कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था में लगा हुआ पुलिस-प्रशासन का पूरा सिस्टम अचानक से हाई अलर्ट मोड पर चला गया है, सरकार व सिस्टम कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही व कोई भी चूक बिल्कुल भी नहीं चाहता है।

उदाहरणार्थ कांवड़ियों की सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए सख्ती का आलम यह हो गया है कि गाजियाबाद तक में भी 14 जुलाई से ही रास्ते वन-वे या बंद कर दिए हैं। हालांकि रास्ते वन-वे होने से क्षेत्र के आम लोगों को जबरदस्त असुविधा हो रही है। लेकिन अलग कांवड़ यात्रा मार्ग ना होने से पुलिस-प्रशासन के पास अन्य कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को देखें तो इस बार उत्तराखंड में कांवड़ियों के जल भरने के सभी स्थान गोमुख, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार आदि से लेकर के उत्तर प्रदेश तक में भी पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों व चप्पे-चप्पे पर पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के सुरक्षाकर्मियों का जाल बिछा दिया गया है, कंट्रोल रूम में बैठकर सुरक्षा विशेषज्ञ चप्पे-चप्पे पर निगरानी रख रहे हैं।

कांवड़ यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था का आलम देखें तो गाजियाबाद जनपद में ही, पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगरायुक्त क्रिष्णदित्य सिंह मलिक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल व अन्य सभी आवश्यक विभागों के मुखिया अपनी पूरी टीम के साथ चौबीसों घंटे मुस्तैद खड़े हुए नज़र आते हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने जनपद के करीब 80 किलोमीटर लंबे कांवड़ मार्ग को 124 बोटों में विभाजित कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने चार स्थाई कंट्रोल रूम, एक मुख्य कंट्रोल रूम, दो सब कंट्रोल रूम और आठ स्टैटिक कंट्रोल रूम बनाए हैं। कांवड़ मार्ग को 1657 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है। 71 बैरियर लगाए गए हैं। 33 सार्वजनिक घोषणा प्रणाली बनाई गई है। 1560 पुलिस स्वयंसेवक व 10587 शांति समिति के सदस्य तैनात हैं।

पीआरवी एवं चीता मोबाइलों को कांवड़ मार्ग में और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर लगाया गया है। घाटों पर एनडीआरएफ की टीम तैनात की गयी हैं। दमकल की 12 गाड़ियां विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगें शिविरों की अनुमति देते समय ही आग से बचाव हेतु अग्निरोधी यंत्र, रेत की बाल्टी एवं पानी का ड्रम रखवाने के लिए शिविर आयोजकों को निर्देशित किया गया है। कांवड़ शिविरों में विद्युत सुरक्षा उपायों के किये जाने का निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ मार्ग के निकट कोई नया बखेड़ा खड़ा ना हो इसके लिए मीट, मछली और अंडा आदि की दुकानों को बंद करवा दिया गया है। किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना घट जाये इसलिए कांवड़ की ऊंचाई 10 फुट एवं चौड़ाई 12 फुट तक रखने के निर्देश दिए गए है। डाक कांवड़ में मानकों के अनुसार म्यूजिक सिस्टम पर 75 डेसीबेल तक का ही शोर मान्य है। यहां आपको बता दें कि इसी तरह की चाक-चौबंद व्यवस्था उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी जनपदों में की गई है। इतनी चाक-चौबंद व्यवस्था के बाद भी पुलिस-प्रशासन के सामने कांवड़ यात्रा मार्ग पर आने वाले दिनों किसी भी तरह से माहौल खराब करने वाले लोगों से निपटने की बड़ी चुनौती खड़ी है। यात्रा के दौरान कांवड़ छूने, कांवड़ के वाहनों से टकराने, छुटपुट बातों का बतंगड़ ना बने उससे निपटने की चुनौती है। वैसे भी पिछले कुछ वर्षों से देश में छोटे-बड़े की शर्म, हाईचारा और सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग का भाव दिन-प्रतिदिन तेज़ी से कम होता जा रहा है, कांवड़ यात्रा में इसका प्रभाव अब स्पष्ट रूप से नज़र आने लगा है, जिसके चलते ही अब बिना सिर-पैर के विवाद तक भी कांवड़ यात्रा में चंद हड़दंगी पैदा करने लगे हैं।

एचसी से मिशन हॉस्पिटल की लीज रिन्यूवल याचिका खारिज

सरकार की 14 एकड़ जमीन पर किया था कब्जा, हाईकोर्ट ने कहा-पट्टे का घोर दुरुपयोग किया गया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने मिशन हॉस्पिटल प्रबंधन की लीज रिन्यूवल याचिका को खारिज कर दी है। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने प्रशासन की कार्रवाई को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। हॉस्पिटल प्रबंधन सरकार की 14 एकड़ जमीन पर कब्जा किया था। जानकारी के मुताबिक, डिसाइपल्स ऑफ़ क्राइस्ट संस्था की 1925 में राज्य सरकार से 14 एकड़ जमीन लीज पर दी गई थी। 1994 के बाद से तकनीकी कारणों से लीज का नवीनीकरण लंबित था। हालांकि, संस्था कब्जे में थी और किराया भुगतान करती रही।

प्रशासन ने संस्था का लीज नवीनीकरण आवेदन नामंजूर कर दिया। संभागीय आयुक्त ने भी संस्था की अपील खारिज कर दी। 6 नवंबर 2024 को हाईकोर्ट ने अधिकारियों को याचिकाकर्ताओं के अस्थावेदन पर फैसला लेने का निर्देश दिया। 8 जनवरी 2025 को अधिकारियों ने अस्पताल, नर्सिंग स्कूल, स्टाफ क्वार्टर और चर्च समेत भवन का 80प्रतिशत हिस्सा ध्वस्त कर दिया गया। हॉस्पिटल प्रबंधन ने इस कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए तरीके से जमीन खाली कराने का आरोप: याचिका में कहा गया कि लीज डीड के खंड 8 के अनुसार संस्था 30 सालों के लिए



स्वचालित नवीनीकरण की हकदार है। संस्था का आरोप है कि अधिकारियों ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए मनमाने तरीके से जमीन खाली कराने की योजना बनाई। **प्रशासन ने किराया लेने से किया इनकार:** याचिका में मिशन ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे किराया जमा करने गए, तो प्रशासन ने जानबूझकर लेने से इनकार किया और बाद में गैर-भुगतान का बहाना बनाकर कब्जा खत्म कर दिया। न तो कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही कोई न्यायसंगत सुनवाई हुई। यहां तक कि नोटिस के बिना ही बुलडोजर चलवा

दिया गया। याचिका में मांग की गई थी कि 7 फरवरी 2025 का आदेश रद्द किया जाए। पट्टे का नवीनीकरण 30 सालों के लिए किया जाए। दहाए गए हिस्से की पुनर्स्थापना और उचित मुआवजा दिया जाए।

पट्टे की शर्तों का लंबे समय से हो रहा था उल्लंघन: सरकार ने कहा कि शर्तों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। वहीं, राज्य सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता पट्टे की शर्तों का लंबे समय से उल्लंघन कर रहे थे। इसके अलावा कब्जे का दुरुपयोग कर रहे थे।

इसलिए जमीन पर कब्जा वापस लेने के लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया।

विवेकपूर्ण जांच की गई: कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा कि कलेक्टर, संभागीय आयुक्त और राज्य सरकार की ओर से पारित आदेश सभी प्रासंगिक तथ्यों दस्तावेजों और कानूनी प्रावधानों की गहन और विवेकपूर्ण जांच को दर्शाते हैं। आदेश किसी भी प्रक्रियात्मक अनियमित या मनमानी या दुर्भावना से दूषित नहीं है। बल्कि यह सरकारी भूमि के पट्टों को नियंत्रित करने वाली वैधानिक योजना के अनुरूप है और प्रशासनिक कानून के

सुस्थापित सिद्धांतों पर आधारित है।

पट्टे का घोर दुरुपयोग किया गया: कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा कि वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता का आचरण, जो 20 सालों से अधिक समय से अनुपालन न करने की स्थिति में है। पट्टे के घोर दुरुपयोग को दर्शाता है। जिससे वह न्याय संगत राहत से वंचित हो जाता है। याचिकाकर्ता के किसी भी मौलिक अधिकार को उल्लंघन नहीं दिखाया गया है।

कलेक्टर ने पट्टे को नवीनीकृत करने से इनकार करने और भूमि पर फिर कब्जा प्राप्त करने के लिए एक कदम उठाए उसमें कोई त्रुटि या अवैधता नहीं है। जिसके लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 और 227 के अंतर्गतिष्ठ न्यायालय के हस्ताक्षर की आवश्यकता है।

कोर्ट ने माना याचिका में कोई दम नहीं: सभी कारणों और केरल राज्य वर्सेस सुप्रीम कोर्ट के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के आधार पर इस न्यायालय का सुस्पष्ट मत है कि रिट याचिका में कोई दम नहीं है। यह न्यायालय के असाधारण क्षेत्राधिकार के प्रयोग में किसी भी हस्तक्षेप की मांग नहीं करती। याचिकाकर्ता कोई भी परिवर्तनीय कानूनी अधिकार या प्राधिकार स्थापित करने में विफल रहे हैं और राज्य प्राधिकारियों की ओर से की गई कार्यवाही कानून और तथ्यों दोनों के आधार पर उचित है इसलिए रिट याचिका खारिज की जाती है।

ईडी कार्रवाई पर बघेल के बयान पर मंत्री का पलटवार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी और ईडी की कार्रवाई के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल के आरोपों पर राज्य के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पलटवार किया है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस को आरोप लगाया और सफाई देना दोनों अच्छे से आता है। उन्होंने कहा, जो भी भाजपा में आता है, वह पार्टी की नीति और विचारधारा देखकर आता है। यह कहना गलत है कि भाजपा में आने से कोई खुद-ब-खुद 'निर्मल' हो जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक साफ-सुथरी पार्टी है, मां गंगा जैसी पवित्र। जो इसमें आता है, वह विचारों से प्रेरित होकर आता है। कुछ लोग आते हैं और विचार नहीं मिलते तो वापस चले जाते हैं, लेकिन इससे पार्टी के सिद्धांत नहीं बदलते। श्याम बिहारी ने कहा, ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी है और कानून सबके लिए बराबर है। अगर कोई गलत करेगा तो जांच होगी, चाहे वो किसी भी पार्टी का हो।



पूर्व सीएम भूपेश बघेल का भाजपा पर हमला: बता दें कि शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी और ईडी की कार्रवाई के बाद रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जो भी नरेंद्र मोदी के पास जाकर सरेंडर कर देता है, उसका मामला साफ हो जाता है। जैसे वॉशिंग मशीन में सब साफ हो जाता है। लेकिन गांधी परिवार न डरता है, न झुकता है। जब हमारे नेता नहीं डर रहे, तो हम भी नहीं डरेंगे।

खराब सड़क बनाने वाला ठेकेदार ब्लैक लिस्टेड निगम कमिश्नर ने की कार्रवाई; 23 लाख की अमानत राशि राजसात

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। जिले में खराब सड़क बनाने वाले ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। साथ ही नगर निगम ने कृष्ण बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड पर 23 लाख रुपए अमानत राशि को राजसात करने की कार्रवाई भी की है। बताया जा रहा है कि वाई क्रमांक 47 में बाइर दादर चौक से विजयपुर चौक तक और कृष्ण वैली से इंदिरा विहार कॉलोनी तक डामरीकृत सड़क निर्माण का काम कृष्ण बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने किया था, जो कुछ समय बाद ही खराब हो गए।

दोबारा नोटिस जारी किया, फिर भी मरम्मत नहीं: सड़क



खराब होने के बाद निगम अधिकारियों ने इन गड़बड़े समेत पूरे सड़क का मरम्मत करने के लिए संबंधित फर्म कृष्ण बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी

किया गया था। इसके बाद भी ठेका लेने वाले फर्म ने सड़क का मरम्मत कार्य नहीं किया गया। जिसके बाद ब्लैक लिस्टेड की कार्रवाई की गई।

1 साल के लिए ब्लैक लिस्टेड, 23 लाख राजसात: कमिश्नर बिजेश सिंह क्षत्रिय ने कृष्ण बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड को 1 साल के लिए ब्लैक लिस्टेड करते हुए फर्म के निविदा लेने के एवज में जमा किए गए 23 लाख रुपए अमानत राशि को राजसात करने की कार्रवाई की है। **निर्माण कार्यों में समझौता नहीं:** कमिश्नर बिजेश क्षत्रिय ने कहा कि शहर के विकास संबंधित निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। गुणवत्ता विहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर ब्लैक लिस्टेड संबंधित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने 75 वर्षीय गुमशुदा पिता को बेटे से मिलाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। पुलिस ने 75 साल के गुमशुदा पिता को उसके बेटे से मिलवाया है। बुजुर्ग रास्ता भटक कर नकटी गांव पहुंच गया था। 112 की टीम को जब बुजुर्ग के बारे में पता चला तो उन्हें थाने लेकर आया गया। जहां सीसीटीवीएनएस के डाटा बैंक से खोजबीन करने पर बुजुर्ग की पहचान संभव हो पाई। इसके बाद पुलिस ने बुजुर्ग को उसके बेटे को सौंप दिया है।

दरअसल, बुजुर्ग की पहचान सारंगा कुर्मी पिता श्याम लाल कुर्मी के रूप में किया गया। उसके बेटे बुरथुराम से संपर्क करने पर पता चला कि वह अपने पिता को रायपुर में ही खोज रहा है। साथ ही उसने



पंडरी में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि सीसी-टीएनएस के डेटा बैंक से बुजुर्ग को उसके परिवार से मिलाने में सफलता प्राप्त हुई। इस काम में माना थाना प्रभारी यामन कुमार देवांगन, सीसी-टीएनएस ऑपरेंटर सुब्रह्म निषाद थाना माना कैम्प और यशवंत पाटले सीसी-टीएनएस ऑपरेंटर पामगढ़ थाना की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जमीन के नाम पर 45 लाख से ज्यादा की ठगी

4 ठगों ने फर्जी रजिस्ट्री करवाकर विधवा से ऐंठे पैसे, भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा राशि भी हड़पी

मीडिया ऑडीटर, जशपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में कुनकुरी पुलिस ने शनिवार को जमीन खरीद-फरोख्त के नाम पर ठगी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने विधवा से फर्जी रकिया से जमीन रजिस्ट्री कर 36.50 लाख रुपए की ठगी की थी। इसके अलावा भारतमाला प्रोजेक्ट की 21 लाख रुपए की मुआवजा राशि भी हड़प ली थी। पीड़िता गौरेती मिंज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि प्रति अनिल मिंज शिक्षक थे। जिनका 2021 में निधन हो गया। विभाग की ओर से उन्हें 56 लाख रुपए मिले थे। वह कुनकुरी क्षेत्र में जमीन खरीदना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने अपने दामाद की मदद ली। दामाद ने कुनकुरी के डुगडुगिया निवासी नीरज प्रजापति से संपर्क कराया। नीरज और उसके साथी खिलीप राम ने पीड़िता को एमनक 43 के पास खसरा नंबर 345/1 की 10 डिसिमिल जमीन दिखाई।



जमीन का सौदा 30 लाख रुपए में तय हुआ। पीड़िता ने एक लाख रुपए एडवांस देकर 5 मई 2023 को एपीमेंट किया।

बहन की शादी के नाम पर लिए एकट्ठा 6 लाख: आरोपियों ने बहन की शादी के बहाने 2.5 लाख रुपए और वसूल

लिए। रजिस्ट्री के समय 10 की जगह 12 डिसिमिल जमीन की रजिस्ट्री का बहाना बनाकर 6 लाख रुपए और लिए गए। इसके बाद 20 जून 2023 को जशपुर में रजिस्ट्री कराई गई। पीड़िता ने नीरज प्रजापति के बैंक खाते में कुल 29 लाख

रुपए ट्रांसफर किए।

रजिस्ट्री के बाद हुआ फर्जीवाड़े का खुलासा: नाम ट्रांसफर के दौरान पता चला कि खसरा नंबर 345/1 की न होकर 345/14 की हुई है। जो कि भारतमाला प्रोजेक्ट के अधीन चली गई है और उसमें नामांतरण नहीं हो सकता। इस बीच यह भी पता चला कि खसरा नंबर 345/1 की जमीन को दिलीप राम पहले ही किसी और को बेच चुका है।

भारतमाला मुआवजा भी हड़पी: जांच में यह बात भी सामने आई कि जिस 12 डिसिमिल जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराई गई, वह भारतमाला योजना के तहत अधिग्रहित हो चुकी थी। आरोपियों ने इस जमीन के मुआवजा के रूप में मिलने वाली 21 लाख रुपए भी फर्जी मालिक बनकर हड़प ली। जब पीड़िता ने अपने पैसे वापस मांगे तो 12 लाख 60 हजार रुपए तो लौटा दिए गए, लेकिन बाकी पैसे के लिए बहानेबाजी करते रहे।

आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल: इस पूरे मामले में पुलिस ने नीरज प्रजापति (39), निवासी डुगडुगिया, दिलीप राम (32), निवासी खुंटी टोली, गोवर्धन यादव (29), निवासी सीरमकेला और घनश्याम यादव (53), निवासी सीरमकेला को को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इनके खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 और 120(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भू-माफियाओं के खिलाफ होगी सूख कार्रवाई: जशपुर एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि महिला से धोखाधड़ी कर दूसरी जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। लोगों को ऐसे भू-माफियाओं से सावधान रहना चाहिए। पुलिस इस प्रकार के षड्यंत्रों को बर्दाश्त नहीं करेगी। अगर किसी के साथ ऐसा धोखा होता है, तो वह तुरंत पुलिस से सूचित करें।

सीजी में न्याय व्यवस्था को मिला नया ठिकाना, नए सिविल कोर्ट भवन का लोकार्पण



मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने बिलासपुर जिले के बिल्हा तहसील में नए सिविल कोर्ट भवन का लोकार्पण किया। नया न्यायालय भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इस भवन में डिजिटल कोर्ट, वकीलों के लिए आधुनिक कक्ष, अस्पताल, एटीएम और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही न्यायालय कक्ष, शिशु देखभाल कक्ष, अभियोजन कार्यालय और सुरक्षित बंदीगृह भी बनाए गए हैं। भवन का वातावरण हरा-भरा और स्वच्छ रखा गया है।

मुख्य न्यायाधीश बोले - बिल्हा न्यायालय भवन बनेगा मिसाल: मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह भवन प्रदेश के अन्य जिला न्यायालयों के लिए एक मिसाल बनेगा। उन्होंने बताया कि बिल्हा में यह नया न्यायालय भवन समय की मांग थी। इससे स्थानीय नागरिकों को त्वरित न्याय मिल सकेगा। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे इन सुविधाओं का उपयोग, पक्षकारों को बेहतर न्याय देने में करें। साथ ही कहा कि छत्तीसगढ़

के सभी जिलों में मजबूत न्यायिक बुनियादी ढांचा स्थापित होने से न्यायिक अधिकारियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और आम लोगों को निष्पक्ष और कुशल न्याय मिल सकेगा। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, राज्य की सभी न्यायिक संस्थाओं में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इस दिशा में बिल्हा का नया न्यायालय भवन एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में ये उपस्थित रहे: कार्यक्रम में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी पोर्टफोलियो न्यायाधीश जिला बिलासपुर, न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार व्यास, न्यायमूर्ति रविन्द्र कुमार अग्रवाल, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा शामिल रहे। इस अवसर पर हाईकोर्ट के महाधिवक्ता, रजिस्टार जनरल, जिला न्यायालयों के लिए एक मिसाल बनेगा। उन्होंने बताया कि बिल्हा एवं सत्र न्यायाधीश एवं समस्त न्यायिक अधिकारिगण बिलासपुर, अध्यक्ष उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ बिलासपुर, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ बिल्हा, संभाग न्यायक, पुलिस आयुक्त, जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र' में जवानों को भेजेंगे 8 हजार राखियां



मीडिया ऑडीटर, धमतरी (एजेंसी)। देश की रक्षा में तैनात सेना के जवानों को छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से 8 हजार राखियां भेजी जाएंगी। इस रक्षाबंधन के लिए जिले की भाजपा महिला मोर्चा ने 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र' कार्यक्रम की शुरुआत की है। जिसके तहत सीमा पर तैनात जवानों के लिए राखी और घर की मिट्टी भेजी जाएगी। 20 जुलाई को महिला मोर्चा ने घड़ी चौक में कार्यक्रम का आयोजन किया। वहीं, महिलाओं का कहना है कि यह ऑपरेशन पहलुगाम हमले में शहीद जवानों को भी समर्पित है।

जवानों तक पहुंचाना अध्यक्ष की जिम्मेदारी: मोर्चा

की कार्यकर्ताओं ने स्कूल-कॉलेज और कई संस्थाओं से करीब 8 हजार राखियां एकत्र की हैं। इन्हें प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष को सौंपा जाएगा। वे इन राखियों को सीमा पर तैनात जवानों तक पहुंचाएंगी। **पहलुगाम में हमले में शहीद जवानों को भी समर्पित:** कार्यक्रमों में न कहा कि हमारे सैनिक 24 घंटे देश की सीमाओं पर तैनात रहते हैं। वे त्यागों पर भी घर नहीं आ पाते। इसलिए बहनों की ओर से उनके लिए राखी और घर की मिट्टी भेजी जा रही है। यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर के पहलुगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों की भी समर्पित है।

शराब के लिए पैसे नहीं मिले तो नशेड़ी ने फावड़े से किया अटैक



मीडिया ऑडीटर, जांघनौर-चांपा (एजेंसी)। जिले के चांपा थाना क्षेत्र में एक नशेड़ी युवक ने शराब के लिए पैसे न मिलने पर फावड़े से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को कुछ घंटों में ही गिरफ्तार कर लिया। घटना चांपा के ग्राम हथनेवरा की है। आरोपी अमृतलाल पटेल अक्सर लोगों से शराब पीने के लिए पैसे मांगता था। मना करने पर विवाद करता था। 19 जुलाई 2025 को दोपहर करीब 3 बजे उसने गांव के नरेश कुमार पटेल से शराब के लिए पैसे मांगे। मना करने पर उसने लोहे के फावड़े से हमला कर

दिया। **आरोपी के गांव से हुई गिरफ्तारी:** पीड़ित की शिकायत पर चांपा थाने में एकआईआर दर्ज की गई। थाना प्रभारी से जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। 33 वर्षीय आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार किया गया। पृष्ठछाछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि शराब के लिए पैसे नहीं मिलने से गुस्सा आ गया था। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया फावड़ा भी बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

यूपी के अर्बन सेक्रेटरी ने देखा इंदौर का स्वच्छता मॉडल

डोर टू डोर संग्रहण, ट्रेचिंग ग्राउंड, कमांड सेंटर की व्यवस्थाओं के बारे में जाना

इंदौर (एजेंसी)। रविवार को यूपी के अर्बन सेक्रेटरी अनुज कुमार झा इंदौर आए। यहां उन्होंने इंदौर के स्वच्छता मॉडल को देखा। अलग-अलग जगह का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं को समझा। साथ ही कॉलोनी के रहवासियों से बातचीत भी की।

जाना डोर टू डोर कचरा संग्रहण: निगमायुक्त शिवम वर्मा ने अर्बन सेक्रेटरी झा को सबसे पहले वार्ड क्रमांक 48 में मिश्र नगर डोर टू डोर कचरा संग्रहण काम का अवलोकन कराया। यहां उन्होंने जाना कि किस प्रकार निगम के डोर टू डोर वाहन जब कॉलोनी में आते हैं तो कॉलोनी के रहवासी अपने घरों से निकले कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में सेग्रीगेट छोड़ हुए कचरे को कचरा संग्रहण वाहन के अलग-अलग भाग में डालते हैं। इस दौरान झा ने रहवासियों से इंदौर के स्वच्छता मॉडल के संबंध में और कचरा सेग्रीगेशन के विषय में बात भी की। इसके बाद वे राजशाही के पास स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन पहुंचे। यहां भी उन्होंने स्टेशन का अवलोकन



किया।

अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने उन्हें बताया कि इंदौर में इस प्रकार से अलग-अलग क्षेत्र में जीटीएस बनाया गया है और राजशाही जीटीएस इंदौर के मध्यक्षेत्र में और कॉलोनी के पास स्थित है। बावजूद इसके यहां किसी भी प्रकार की रहवासियों को समस्या नहीं है। यहां पर कचरा संग्रहण



भी जाना: इसके बाद वे सिटी बस ऑफिस स्थित आईसीसीसी कमांड सेंटर पहुंचे। इस सेंटर का भी उन्होंने अवलोकन किया और किस प्रकार से इंदौर में कचरा संग्रहण वाहन और अन्य गाड़ियों की जीपीएस के माध्यम से मॉनिटरिंग की जाती है इस व्यवस्था को भी जाना। इसके वे देवगुराडिया स्थिति ट्रेचिंग ग्राउंड पहुंचे और यहां प्रोसेसिंग प्लांट

और अन्य प्लांट की व्यवस्थाओं को देखा। झा ने इंदौर के सफाई मॉडल को देखा, समझा और इंदौर की सफाई से प्रभावित भी हुए। इस दौरान उनके साथ नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अखिलेश उपाध्याय और अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

दो युवकों को पाइप से पीटा, गालियां दीं

दबंगों ने पैर छूने को किया मजबूर, पुलिस बोली- बयान देने थाने नहीं आया पीड़ित

भिंड (एजेंसी)। गोहद में दो युवकों के साथ बेरहमी से मारपीट का वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ लोग युवकों को लात-घुसों और प्लास्टिक के पाइप से पीटते दिख रहे हैं। पीड़ित युवक छोड़ देने की गुहार लगा रहे हैं लेकिन दबंग गालियां देते हुए उन्हें पैर छूने के लिए मजबूर कर रहे हैं। वारदात 9 जुलाई को बरथरा रोड इलाके में हुई। इसका वीडियो शनिवार रात सामने आया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



ही हत्या के मामले में जमानत पर छूटकर

फरियादी इफान खान ने पुलिस को जो शिकायत आवेदन दिया है, उसमें बताया है कि उसका मोबाइल अजय जाटव के पास था। वही देने के लिए आरोपियों ने उसे मिलने के लिए बुलाया। इफान अपने दो दोस्त- राज और अमन के साथ वहां पहुंचा तो सभी ने घेर लिया। फिर जबरन पकड़कर सुनसान जगह पर ले गए। पाइप से पीटा। कई बार मिनतें करने पर धमकी देकर छोड़ दिया। इफान का कहना है कि अजय कुछ समय पहले

आया है। **पुलिस बोली-** बुलाने पर थाने नहीं आया **पीड़ित:** गोहद थाना प्रभारी मनीष धाकड़ ने बताया कि इफान ने 9 जुलाई को मामले की शिकायत की थी। उसे बयान देने के लिए थाने बुलाया गया था लेकिन वह नहीं आया। उन्होंने कहा- विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया पर गाली-गलौज से हुई थी। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। जल्द उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपी और पीड़ित भिंड जिले के ही रहने वाले हैं।

12 हजार एकड़ जंगल पर कब्जा, फसल उगाई

400 जेसीबी से अतिक्रमण हटाया, फिर खेती शुरू की; कार्रवाई करने पर पथराव करते हैं

खंडवा (एजेंसी)। 400 जेसीबी से 12 हजार एकड़ वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के सालभर के अंदर ही यहां फिर से फसलें लहलहाने लगी हैं। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए जब भी वन अमला पहुंचता है तो उन पर अतिक्रमणकारी पत्थर फेंकने लगते हैं। वन विभाग के कर्मचारियों को भागना पड़ता है। जुलाई 2024, 26 दिसंबर 2024 और 9 जून 2025...ये वो तारीखें हैं, जब खंडवा में भारी-भरकम पुलिस फोर्स और जेसीबी मशीनों के साथ जंगल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। दो साल में 7 हजार, इसके बाद जून 2025 में 5500 एकड़ जमीन से अतिक्रमण साफ किया गया।

कार्रवाई के दौरान यहां बबूल के बीज डाले गए। बारिश में पौधे लगाए गए ताकि वापस जंगल पनप सके, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने रासायनिक स्प्रे कर बबूल की रोप को मार दिया, पौधे उखाड़ दिए। फिर से खेत तैयार किए और फसल की बोवनी कर दी।



मुक्त कराई जमीन पर फिर से अतिक्रमण होता देख वन

विभाग का अमला कार्रवाई करने पहुंचा और एक ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने वन अमले

को घेरकर ट्रैक्टर छुड़ा लिया। मारपीट भी की। एक हफ्ते तक वन अमले और अतिक्रमणकारियों के बीच संघर्ष चलता रहा। अब वन अमले ने भी इस जमीन से दूरी बना ली है। हालांकि वन अमने ने अतिक्रमणकारियों के खिलाफ पथराव करने का केस दर्ज कराया है। इस मामले में दो आरोपियों को जिलाबंदर किया गया।

छतरपुर (एजेंसी)। चार युवकों ने पुलिस पर थाने में मारपीट करने का आरोप लगाया है। युवकों का कहना है कि उनके कपड़े उतारकर उन्हें चार दिन तक पीटा गया। इतना ही नहीं प्राइवेट पार्ट में मिर्च पावडर डालने का भी आरोप पुलिस पर लगाया गया है। हालांकि नौगांव एसडीओपी अभित मेश्राम का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट आ गई है, उसमें मिर्च पाउडर का जिक्र नहीं है, ना ही कोई फ्रेंचर हुआ है। सीसीटीवी फुटेज और पीड़ित के बयान दर्ज किए जाएंगे। जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। मामला बढ़ने के बाद मारपीट करने वाले नौगांव थाने के तीनों पुलिसकर्मियों एएसआई शिवदयाल वाल्मीकि, राम जाट और अरविंद शर्मा को सस्पेंड कर दिया गया है। **शनिवार देर रात तक धरना, समझाइश के बाद माने:** शनिवार शाम करीब 4 बजे पीड़ित और भीम आर्मी के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए एसपी कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। जिम्मेदारों पर कार्रवाई को लेकर पीड़ित धरने पर बैठ गए। रात डेढ़ बजे समझाइश के बाद माने। पुलिस तीन पीड़ितों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लेकर गई। इधर, देर रात कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग



सिंघार और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने पीड़ितों और पुलिस अधिकारियों से फोन पर बात की। महाराजपुर के पूर्व कांग्रेस विशाख नरज दीक्षित भी मुलाकात करने पहुंचे। रविवार सुबह नौगांव एसडीओपी अभित मेश्राम ने बताया कि हम लोगों ने रात में पीड़ित परिवार को सुरक्षित उनके घर छोड़ दिया था। रात में घायलों की एमएलसी भी जिला अस्पताल में कराई थी। लापता व्यक्ति की पुलिस तलाश कर रही है, जल्द ही उसका पता लगा लिया जाएगा।

चोरी के आरोप में थाने लाकर मारपीट का आरोप: पीड़ितों के मुताबिक वे सभी कंडजपुर धरमपुरा के रहने वाले हैं और झाड़ू बनाकर बेचने का काम करते हैं। 15 जुलाई की शाम को वे नौगांव डिसलेरी

रोड पर एक नए मकान के उद्घाटन कार्यक्रम में गए थे। यहां से लौटते समय सड़क किनारे टॉयलेट कर रहे थे, तभी डायल-100 पुलिस की गाड़ी आई और बिना वजह 5 लोगों को थाने ले जाया गया। इनमें से एक युवक को दिय्यांग होने के कारण छोड़ दिया गया। आरोप है कि बाकी चारों युवकों को थाने में उल्टा लटकाकर बेल्ड और लात-चूंसों से पीटा गया। चोरी कबूल कराने के लिए उनके प्राइवेट पार्ट में मिर्च डाली गई और चार दिन तक बुलाकर प्रताड़ित किया गया। बता दें कि पुलिस ने ट्रांसफॉर्मर का तेल चुराने के आरोप में पांच लोगों को पकड़ा था।

एक साथी लापता, परिजन ने हत्या की जताई आशंका: मारपीट की

जानकारी मिलने के बाद भीम आर्मी ने शनिवार को पीड़ित परिजन के साथ बस स्टैंड से एसपी ऑफिस तक मार्च निकाला और धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी पुलिसकर्मियों पर एससी-एसटी एक्ट में मामला दर्ज कर उन्हें सस्पेंड करने की मांग की है। पीड़ित पक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि उनके साथ पकड़ा गया एक युवक अब तक नहीं मिला है। उन्होंने उसकी हत्या की आशंका जताई है।

डीआईजी ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया: डीआईजी ललित शाक्यवार धरनास्थल पर पहुंचे और पीड़ितों को मेडिकल परीक्षण कराने व जांच के बाद कार्रवाई की बात कहकर चले गए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी। **एसपी कार्यालय की बिजली बंद की, ताला लगाया गया:** धरने के दौरान एसपी कार्यालय का गेट बंद कर ताला लगाया गया और परिसर की बिजली भी काट दी गई। कार्यकर्ता, महिलाएं और बच्चे अंधेरे में ही धरने पर बैठे हैं। धरना प्रदर्शन को देखते हुए नौगांव एसडीओपी अभित मेश्राम के साथ सिटी कोवाली, ओरछा थाना, सिविल लाइन थाना समेत अन्य थानों से पुलिस बल बुलाकर मौके पर तैनाती कराई गई है।

शिक्षामंत्री के जिले में बिना बच्चों वाले 4 स्कूल

नरसिंहपुर के प्राइमरी स्कूल में 8 साल से बच्चे दर्ज नहीं, 8 टीचर घर बैठे ले रहे सैलरी

नरसिंहपुर (एजेंसी)। 'बाहर दरवाजे पर जड़ा ताला। ऊपर चारों ओर लगे मकड़ी के जाल। खुली खिड़कियों में से अंदर दिख रहा टूटा-फूटा और गंदा फर्श। फैली गंदी किताबें। कमरे के बीचों-बीच कुर्सी पड़ी है। कमरे में चारों ओर धूल जमा है।' ये नरसिंहपुर जिले के करेली ब्लॉक का गाँडी धुबघट स्थित प्राइमरी स्कूल है। चर्चा इसलिए क्योंकि गांव वालों की मानें, तो इस स्कूल के रिकॉर्ड में एक भी बच्चा दर्ज नहीं है। यहां दो टीचर भी पदस्थ हैं। वे पिछले आठ साल में सिर्फ दो ही दिन राष्ट्रीय त्योहार पर आते हैं। बाकी दिन स्कूल में ताला पड़ा रहता है। उससे भी बड़ी बात है कि टीचर्स लगातार सरकार से सैलरी लेते रहे हैं।



मंगवाई। जिले में ऐसे चार प्राइमरी स्कूल मिले, जहां बच्चों की संख्या शून्य है। हर स्कूल में दो टीचर पदस्थ हैं। सभी आठ टीचर मुफ्त की तनखाह भी ले रहे हैं। अब प्रभारी डीईओ ने शिक्षामंत्री उदय प्रताप सिंह और विभाग

के वरिष्ठ अधिकारियों को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। कई साल से दीवार पोती नहीं गई है। दरवाजे पर ताला लटका है। जंग खाए फर्श को देखकर लगा कि इसे कई महीनों से खोला ही नहीं गया। दरवाजों

की भी सफाई नहीं की गई है। ऊपर मकड़ियों ने जाला बना लिया है। खिड़की से अंदर झांका, तो कमरे में किताबें जमीन पर फैली दिखीं। फर्श भी टूटा हुआ था। धूल जमा थी। कमरे की छत पर भी सफाई नहीं की गई थी। कमरे के बीचों-बीच एक कुर्सी भी दिखी। उस पर भी धूल थी। इसके बाद आसपास देखा, तो पास ही बंद पड़ा टॉयलेट है। स्कूल भवन के आसपास गंदगी जमा है। टीम को देखकर गांव वाले भी इकट्ठा हो गए। कुछ महिलाएं भी थीं।

स्कूल में शिक्षक नहीं आते, इसलिए नरसिंहपुर में कराया एडमिशन: गांव की ममता बाई जाट ने बताया कि स्कूल में दो टीचर तुल कुमार शर्मा और चंचल शर्मा पदस्थ हैं। दोनों सिर्फ 15 अप्रैल और 26 जनवरी को स्कूल आते हैं। बाकी पूरे साल स्कूल में

ताला डला रहता है। इस कारण गांव के बच्चों का एडमिशन नरसिंहपुर में करना पड़ा। हमें रोजाना बच्चों को छोड़ने और लेने जाना पड़ता है। रास्ता भी काफी खराब है। इससे आने-जाने में भी परेशानी होती है। बुजुर्ग महिला रनवती बाई बताती हैं कि मेरी एक ही बेटी है। उसके दो बेटे हैं। गांव में स्कूल न खुलने के कारण उनको मजबूरन नरसिंहपुर शहर में ही किराए से रहना पड़ता है। अगर यहां स्कूल में पढ़ाई होती, तो बेटी गांव में ही रहती। गांव के रहने वाले राव राजेंद्र सिंह ने बताया कि गांव के स्कूल शिक्षक नहीं आते। रास्ता भी खराब है। इस कारण गांव के कई बच्चों का शहर के स्कूलों में नाम लिखवा दिया है। अगर यही स्कूल अच्छे से खोलें और अच्छे से पढ़ाई हो, तो बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर क्यों भेजा जाएगा।

तांत्रिक ने पहले रेप किया, फिर गोली मारकर लूटे गहने, आरोपी गिरफ्तार



कटनी (एजेंसी)। दशरामन गांव में शादीशुदा महिला की हत्या एक तांत्रिक ने गोली मारकर की है। दोनों झाड़ू-फूंक के सिलसिले में मिले थे। तांत्रिक का महिला के घर आना-जाना था। घटना वाले दिन आरोपी ने महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाया था, जिसका महिला ने विरोध किया। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने जब कानूनी कार्रवाई करने की बात कही तो आरोपी ने गोली मारकर हत्या कर दी।अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर लेकर भाग गया। पुलिस ने 27 वर्षीय आरोपी शैलेंद्र कुमार पांडे को सिहोरा के पास खिलौला से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, महिला नीतू जायसवाल अकसर बीमार रहती थी। वह झाड़ू-फूंक पर विश्वास करती थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात आरोपी शैलेंद्र से हुई। वह उनके घर झाड़ू-फूंक के लिए आता-जाता था। साइबर सेल की मदद से पकड़े गए आरोपी ने पृष्ठताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने देशी कट्टे से नीतू की हत्या करने और उसकी अलमारी से जेवरदात लूटने की बात कबूली है।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर लूटे गए जेवरदात बरामद कर लिए हैं। इनमें सोने की चेन, चार कंगन, एक हार, मंगलसूत्र, अंगूठी और सोने का बिस्किट शामिल हैं। बरामद जेवरदात का वजन लगभग 120 ग्राम है। इनकी कीमत करीब 1.2 लाख रुपए है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया देशी कट्टा भी जब्त कर लिया है।

वनकर्मियों को लाठी-डंडों से पीटा, डिप्टी रेंजर समेत 5 घायल



कटनी (एजेंसी)। जिले के हीमरखेड़ा में वन अमले पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में दो डिप्टी रेंजर समेत 5 लोग घायल हो गए। वन अमला 15 एकड़ वन भूमि पर अवैध रूप से मक्का-धान बोने के लिए जुताई कर रहे लोगों को रोकने पहुंचा था। घटना शनिवार दोपहर करीब 3 बजे की है। वन भूमि पर कुछ लोग हल और अन्य उपकरण लेकर पहुंचे थे। वन विभाग की टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों पक्षों में झड़प हो गई। इसका वीडियो रविवार को सामने आया।

हमले में पांच वनकर्मियों घायल: लाठी-डंडों से हमले में पांच वनकर्मियों घायल हुए। घायलों में खमतारा के डिप्टी रेंजर अशोक कोल, उमरिया पान के डिप्टी रेंजर राम कुशल मिश्रा, बिट गाई रामदुलारे मेहरा, रामफल पटेल और राजेश शर्मा शामिल हैं।

खेती के लिए जमीन जोत रहे थे ग्रामीण: हीमरखेड़ा रेंजर अजय मिश्रा के अनुसार, विवादित भूमि पर पहले से हरे-भरे पेड़ काटकर हटाए जा चुके थे। यह क्षेत्र तेंदुओं की आवाजाही का प्रमुख मार्ग है।

खेत का मजदूर ही निकला ट्रैक्टर चोर

चलाना नहीं आता था, फिर भी फर्सट गियर में 20किमी ले गया; जंगल में छिपा दिया

खंडवा (एजेंसी)। खेत में मजदूरी करने वाले युवक ने ही मालिक का ट्रैक्टर चोरी कर लिया। दिलचस्प बात यह रही कि आरोपी को ट्रैक्टर चलाना ठीक से नहीं आता था, फिर भी उसने चोरी की और ट्रैक्टर को फर्सट गियर में 20 किलोमीटर दूर तक ले जाकर जंगल में छिपा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना थाना छैगांवमाखन क्षेत्र की देगांव चौकी अंतर्गत ग्राम सिरा की है। यहां रहने वाले रविंद्र पिता तुलसीराम पटेल का जॉन डिअर कंपनी का ट्रैक्टर व कल्टीवेटर 16 जुलाई की रात चोरी हो गया था। आरोपी राकेश उर्फ बुधिया, रविंद्र के ही खेत में मजदूरी करता था, उसी ने वारदात को अंजाम दिया। उसे ट्रैक्टर चलाना ठीक से नहीं आता था, लेकिन



भर रहा है, और यहीं से उसकी नीयत बदल गई। राकेश ने ट्रैक्टर को डायरेक्ट स्टार्ट किया और फर्सट गियर में ही 20 किलोमीटर दूर राशिया गांव की ओर हाईवे के किनारे जंगल में ले गया। पकड़े जाने के डर से उसने ट्रैक्टर को 50 मीटर भीतर झाड़ियों में छिपा दिया।

गोल्ड जीतने के बाद नहीं मिले कई पुरस्कार, अरशद नदीम ने खोली पाकिस्तान की पोल

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान के ओलंपिक हीरो अरशद नदीम ने 2024 के पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने देश की सरकार और अधिकारियों द्वारा किए गए अधूरे वादों पर सवाल उठाए हैं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत के नीरज चोपड़ा को हराकर पाकिस्तान के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम ने खुलासा किया कि उनकी उपलब्धि के लिए इनाम के तौर पर घोषित जमीन के टुकड़े कभी नहीं दिए गए। अरशद नदीम ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की छलांग लगाकर इतिहास रच दिया और डेनमार्क के एंड्रियास

थोरकिल्डसन द्वारा 2008 में बनाए गए ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रजत पदक जीतने वाले गत विजेता नीरज चोपड़ा पर उनकी जीत पाकिस्तान के लिए बेहद गर्व की बात थी। सरकार, राज्य के अधिकारियों और सार्वजनिक संस्थाओं ने नदीम को नकद पुरस्कार, जमीन के प्लॉट और विभिन्न सम्मानों सहित ढेरों इनाम देने का वादा किया। हालाँकि, एक साल बाद, नदीम ने जियो टीवी से बात करते हुए खुलासा किया, मेरे लिए जितने भी इनामों की घोषणाएँ की गईं, उनमें से सभी प्लॉट की घोषणाएँ फर्जी थीं, जो मुझे नहीं मिलीं। इसके लगाकर इतिहास रच दिया और डेनमार्क के एंड्रियास

एक साल में बीसीसीआई ने कमाए 9742 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ,एजेंसी। बीसीसीआई को दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड में गिना जाता है। इसके पीछे सबसे बड़ा हाथ आईपीएल का है। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के फाइनंशियल ईयर 2023-24 को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। दरअसल, रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड के फाइनंशियल ईयर 2023-24 का जो रेवेन्यू है उसमें अकेले आईपीएल ने 59 फीसदी का योगदान दिया है। उस समय बीसीसीआई के सचिव जय शाह थे, जिन्होंने इस पद को संभालने के बाद बोर्ड को पूरी तरह से ही बदल दिया और इसे मालामाल कर दिया। इस क्रिकेट बोर्ड की कमाई दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। द हिंदू बिजनेस लाइनर की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने फाइनंशियल ईयर 2023-24 में 9741.7 करोड़ रुपये की कमाई की थी,

इसमें से आईपीएल ने अकेले 5761 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसका मतलब ये है कि आईपीएल में 59 प्रतिशत का फाइनंशियल योगदान दिया है। रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेशनल टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्टिंग अधिकारों सहित गैर आईपीएल मीडिया अधिकारों की बिक्री से बीसीसीआई को 361 करोड़ रुपये की कमाई हुई। इसके अलावा बोर्ड ने पिछले फाइनंशियल ईयर में सिर्फ ब्याज से 987 करोड़ रुपये कमा लिए। इस दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट कार्सिल डिस्ट्रीब्यूशन से उन्हें 1,042 करोड़ रुपये मिले हैं। ये नहीं बीसीसीआई को आईपीएल के अलावा रेवेन्यू बढ़ाने के लिए रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी या सीके नायडू ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट के आयोजन से भी काफी मदद मिलती है। इन भी फेरलू टूर्नामेंट से भी बोर्ड को काफी फायदा होता है।

फीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज में एरिगैसी सेमीफाइनल में

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरव को हराकरयहां 750,000 डॉलर इनामी फीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन अब प्रज्ञानानंद अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हारकर खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। अर्जुन ने अब्दुसत्तोरव पर 1.5-0.5 से जीत हासिल की, लेकिन प्रज्ञानानंदा एक कड़े मुकाबले में कारूआना से 3-4 से हार गए। क्वार्टरफाइनल चरण में लेवोन अरोनियन और हंस मोके नीमन की अमेरिकी जोड़ी भी

जीत हासिल करने में सफल रही। उन्होंने क्रमशः अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव को हराया। जहां अरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निमन को सिंडारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा। सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला अरोनियन से जबकि नीमन का कारूआना से होगा। निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली। उन्होंने भारत के विदित गुजराती को आसानी से 2-0 से हराया।

संकट में एशिया कप! ढाका की बैठक का बहिष्कार करेगा बीसीसीआई, सामने आई बड़ी वजह



नई दिल्ली ,एजेंसी। बीसीसीआई ने 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की वार्षिक आम बैठक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। बांग्लादेश में भू-राजनीतिक तनाव और मैदान पर बिगड़ती स्थिति के बीच, भारतीय बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया तो वह बैठक में पारित किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। इस साल टी20 प्रारूप में होने वाला एशिया कप अभी भी

अधर में लटका हुआ है। भारत को मेज़बान देश घोषित किए जाने के बावजूद, टूर्नामेंट का न तो आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम तय किया गया है और न ही एसीसी ने इसके लिए कोई निश्चित स्थल तय किया है। हालाँकि अटकलें सितंबर में होने की ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन स्पष्टता की कमी ने असमंजस को और बढ़ा दिया है। 24 जुलाई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के स्थान को लेकर

मैनचेस्टर टेस्ट से पहले भारत को डबल झटका, ये दो खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले भारत को डबल झटका लग सकता है। दरअसल, चौथे टेस्ट से बाएं हाथ के स्विंग गेंदबाज अर्शदीप सिंह बाहर हो सकते हैं।

वहीं, 26 वर्षीय अर्शदीप सिंह को गुरुवार को ट्रेनिंग नेट सेशन के दौरान साईं सुदर्शन की गेंद को फॉलो-थ्रू पर रोकते समय अपने गेंदबाजी वाले हाथ में चोट लग गई थी। उनके हाथ पर टांगे लगे हैं और अब उनके खेलने की संभावना कम है। आकाशदीप की उपलब्धता पर भी सस्पेंस बना हुआ है क्योंकि उन्हें भी ग्रीन में समस्या है।

आकाशदीप ने मैनचेस्टर रवाना होने से पहले भारतीय टीम द्वारा आयोजित नेट सेशन में गेंदबाजी नहीं की थी। द इंडियन एक्सप्रेस से सूत्र ने कहा कि, उनके हाथ में टांके लगे हैं और संभवतः वह चौथे टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। भारतीय टीम देखेगी कि वह पांचवें टेस्ट के लिए तैयार हैं या नहीं। फिलहाल अर्शदीप को



अभी तक टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है, लेकिन अगर टीम मैनेजमेंट किसी तेज गेंदबाज को आराम देने का फैसला कता है तो वह डेब्यू कर सकते थे।

वहीं भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोशेट ने कहा कि, अर्शदीप को वहां गेंदबाजी करते हुए एक गेंद लगी, साईं ने एक गेंद मारी और उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की और उनका हाथ कट गया। इसलिए हमें देखना होगा कि कट कितना गंभीर है। जाहिर है मेडिकल टीम उन्हें डॉक्टर के पास ले गई है। उन्हें टांके लगते हैं या नहीं, ये अगले कुछ दिनों की हमारी योजना के लिए अहम होगा।

लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड की पारी के 28वें ओवर में, आकाशदीप दिक्कत महसूस करने के बाद ड्रेसिंग रूम में चले गए। टीम के फिजियो उनके साथ थे। तेज गेंदबाज ने अपनी कमर पकड़ रखी थी और दिक्कत में दिख रहे थे। 28 वर्षीय या गेंदबाज पहले भी चोटिल रहा है। इसके कारण वह 2024 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और 2025 के आईपीएल सीजन से बाहर हो गए थे।

कौन हैं आर्यवीर कोहली? दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में खेलते हुए दिखेंगे

नई दिल्ली ,एजेंसी। क्रिकेट में विराट कोहली की विरासत को उनके भाई के बेटे आर्यवीर कोहली आगे बढ़ाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। आर्यवीर कोहली क्रिकेट में करियर बनाने के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। दिल्ली के कोच और भारत के पूर्व क्रिकेटर सरनदीप सिंह ने आर्यवीर को उभरता हुआ स्टार बताया है।



और आईपीएल का कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया था। आर्यवीर कोहली दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली के बड़े भाई विकास कोहली के

बेटे हैं। वह दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के लिए खेलते हुए दिखेंगे। वह 15 साल के हैं फ्रेंचाइजी ने उन्हें 1

लाख रुपये में खरीदा है। इसी टीम में दिवेश राठी भी हैं जो दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। राठी को साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 38 लाख रुपये में खरीदा था। आर्यवीर कोहली बाएं हाथ के लेग स्पिनर हैं और अभी दिल्ली के कोच सरनदीप सिंह की रेखदेख में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

दिलचस्प बात ये है कि दिल्ली प्रीमियर लीग में वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे भी नजर आएंगे। संयोग से सहवाग के बेटे का नाम भी आर्यवीर है। उन्होंने सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपये में खरीदा है।

मैनचेस्टर में जसप्रीत बुमराह को देखना चाहते हैं इंग्लैंड के दिग्गज पूर्व स्पिनर

नई दिल्ली ,एजेंसी। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट भारत के लिए करो या मरो का होने वाला है। अगर इंग्लैंड के खिलाफ भारत को सीरीज जीतने की उम्मीदें जिंदा रखनी हैं तो उसे मैनचेस्टर टेस्ट किसी भी हाल में जीतना होगा। इतने अहम मैच में क्या भारत गेंदबाजी में अपने सबसे बड़े हथियार जसप्रीत बुमराह का इस्तेमाल करेगा? सीरीज से पहले ही ये साफ हो गया था कि बुमराह सभी 5 के बजाय सिर्फ 3 मैच खेलेंगे। अब दो तो वह पहले ही खेल चुके हैं और अब मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे या ओवल, इस पर सस्पेंस बना हुआ है।

वहीं इस बीच इंग्लैंड के दिग्गज पूर्व स्पिनर मोटी पेनेसर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को मैनचेस्टर टेस्ट खेलना ही चाहिए। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से



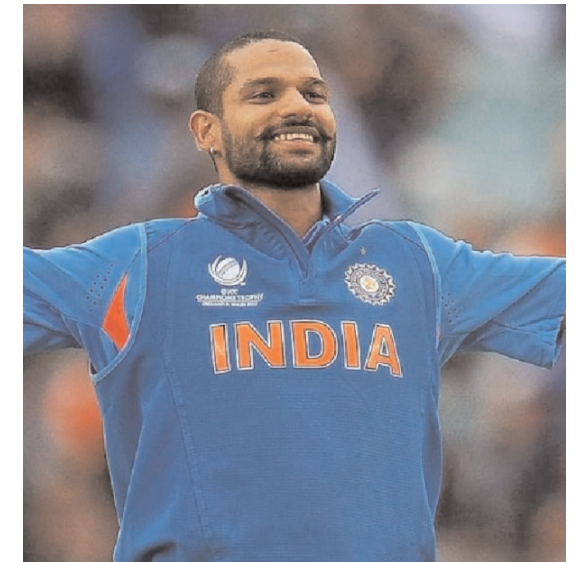
कहा कि, जसप्रीत बुमराह को अगला मैच खेलना चाहिए। ये भारत के लिए मस्ट-विन मैच है। उन्हें अपने बेस्ट अटैक के साथ खेलने की जरूरत है। बुमराह को अगला टेस्ट खेलना ही होगा ये देश की वो पिच है जिसमें सबसे ज्यादा गति और उछाल है

इसलिए उन्हें खेलना होगा।

बुमराह मौजूदा सीरीज के पहले और तीसरे टेस्ट में खेले थे। संयोग ससे दोनों ही टेस्ट में भारत की हार हुई थी और जिस दूसरे टेस्ट में वह नहीं खेले थे, उसमें टीम ने 336 रन के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की थी। बुमराह ने सीरीज में खेले अपने दोनों ही मैच में एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किया।

भारतीय टीम भी मैनचेस्टर में अपने स्पीड स्टार के साथ उतरना चाहेगी लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण से न चाहते हुए भी उसे अपने स्टार को नहीं उतारने का फैसला लेना पड़ सकता है। भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डोशेट भी मानते हैं कि टीम मैनचेस्टर में बुमराह को खिलाना चाहती है।

देश से बढ़कर कुछ नहीं...पाकिस्तान के खिलाफ मैच से हटे शिखर धवन



नई दिल्ली ,एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत और पाकिस्तान के बीच 20 जुलाई को होने वाला मैच रद्द हो गया है। बता दें कि, कुछ भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करने वाले दिग्गजों की लिस्ट में शिखर धवन का भी नाम शामिल है। उन्होंने बकायदा इमेल करते हुए बोर्ड को सूचित किया है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करने वाले दिग्गजों की लिस्ट में शिखर धवन का भी नाम शामिल है। धवन ने बकायदा इमेल करते हुए बोर्ड को सूचित किया कि वह पाकिस्तान के खिलाफ केवल आज ही के मुकाबले में नहीं बल्कि आगामी डब्ल्यूसीएल लीग के सभी मुकाबलों में नहीं खेलेंगे।

39 वर्षाय पूर्व सलामी बल्लेबाज ने अपने इमेल का एक स्क्रीन शॉट शेयर किया है। जिसके कैप्शन में लिखा है कि, जो कदम 11 मई को लिया, उसे आज भी वैसे ही खड़ा हूं। मेरा देश मेरे लिए सब कुछ है और देश से बढ़कर कुछ नहीं होता।

बता दें कि, इमेल के स्क्रीनशॉट में बताया गया है कि 11 मई 2025 को धवन ने सूचित किया था कि वह डब्ल्यूसीएल लीग के आगामी सीजन में पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे।

यहीं नहीं इमेल में इसके पीछे का कारण भी बताया गया था। उसमें लिखा गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और भूराजनीतिक स्थिति को लेकर ये फैसला लिया गया है।

टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर जो रूट

नई दिल्ली ,एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं। गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की जरूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग



को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। शेफील्ड में जन्मे रूट को केवल 119 रनों की जरूरत है, जो रूट जैसे कद के खिलाड़ी के लिए आसानी से हासिल किया जा सकता

है। हालाँकि, सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए उन्हें तेंदुलकर को पीछे छोड़ने के लिए समय चाहिए। यह उनकी पहुँच से बाहर नहीं है, लेकिन शेफील्ड में जन्मे रूट को यह महान रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अगले कुछ

वर्षों तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

इस बीच, रूट ने शुभम गिल की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ पाँच मैचों की सीरीज की धीमी शुरुआत की, लेकिन जब मुश्किलें बढ़ीं, तो उन्होंने वापसी की और लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में शतक जड़ दिया। उनके अविश्वसनीय शतक की बदौलत इंग्लैंड ने 22 रनों से जीत हासिल की और सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। सचिन ने टेस्ट क्रिकेट में 68 अर्धशतक लगाए थे, जबकि रूट के नाम 66 अर्धशतक हैं। रूट के इस रिकॉर्ड को तोड़ने की पूरी संभावना है और अगर उनका फॉर्म साथ देता है, तो भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज में ही ऐसा हो सकता है। हालाँकि, मेहमान टीम सतर्क रहेगी क्योंकि रूट आमतौर पर मध्यक्रम में अच्छी शुरुआत मिलने के बाद रन बनाने लगते हैं। भारत इस समय पिछड़ रहा है, इसलिए उन्हें उन्हें शांत रखना होगा।

रीवा में ससुर की मृत्यु के बाद ससुराल आये सीएम डॉक्टर मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय ब्रम्हानंद यादव को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विदेश यात्रा से लौटने के बाद नई दिल्ली से सीधे रीवा पहुंचकर अपने ससुर स्वर्गीय ब्रम्हानंद यादव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाम 5.20 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने रीवा में संजय नगर में स्वर्गीय ब्रम्हानंद यादव के आवास जाकर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने परिजनों से भेंट कर सांत्वना दी तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय ब्रम्हानंद यादव के पुत्रों रामानंद यादव, सदानंद यादव तथा सच्चिदानंद यादव से भेंट कर उन्हें ढाढ़स बंधाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सीमा यादव भी उनके साथ रही।

इस अवसर पर विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह, विधायक त्यांथर सिद्धार्थ तिवारी, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, वरिष्ठ समाजसेवी



डॉ अजय सिंह तथा स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, आयुक्त एवं सचिव जनसम्पर्क डॉ.

सुदाम खाड़े, कमिश्नर रीवा बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपुत तथा अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री का रीवा पहुंचने पर जिले

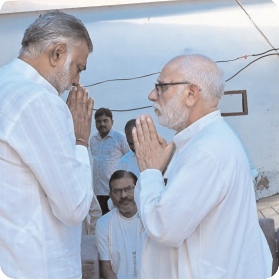
के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम विभाग ने अगवानी की। इस अवसर पर विधायकगण तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने स्वर्गीय ब्रम्हानंद को दी श्रद्धांजलि

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री और रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री जी के ससुर स्वर्गीय ब्रम्हानंद यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। रीवा स्थित स्वर्गीय यादव के संजय नगर निवास में प्रभारी मंत्री ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने परिजनों से भेंट कर उन्हें ढाढ़स बंधाया। पटेल ने कहा कि ब्रम्हानंद जी विचार यात्रा के प्रतीक थे। उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन में जो कार्य किए व अनुकरणीय हैं। पुरी आयु, प्रतिष्ठा एवं यशपूर्वक सार्थक जीवन जीने वाले ब्रम्हानंद जी के चरणों में नमन करता हूँ। वह जिस रास्ते में चले हम भी उसी रास्ते पर चल सकें, ऐसा सामर्थ्य हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, डॉ अजय सिंह उपस्थित रहे।

अपर मुख्य सचिव तथा आयुक्त जनसम्पर्क ने स्वर्गीय ब्रम्हानंद यादव को दी श्रद्धांजलि

अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मण्डलोई तथा आयुक्त एवं सचिव जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने संजय नगर रीवा पहुंचकर स्वर्गीय ब्रम्हानंद यादव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।



देवतालाब शिवलोक में तोरण द्वार, परिक्रमा पथ और धर्मशाला का लोकार्पण



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के तत्वावधान में देवतालाब शिवलोक में तीन तोरण द्वार, परिक्रमा पथ और यात्रियों के लिए सुसज्जित धर्मशाला का लोकार्पण स्थानीय विधायक गिरीश गौतम और भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने किया। लगभग 4.86 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इन विकास कार्यों का शुभारंभ भगवान भोलेनाथ के अभिषेक और लोक कल्याण की प्रार्थना के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। लोकार्पण के दौरान विधायक गिरीश गौतम ने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की आत्मा सनातन धर्म में निहित है, जो

विविधता में एकता और प्रकृति पूजा को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "देवतालाब शिवलोक विंध्य क्षेत्र का पवित्र तीर्थ है। मैंने इसके विकास के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। मुगलों ने हमारे मंदिरों पर आक्रमण किए, लेकिन भारतीय संस्कृति की ताकत ने भगवान को हमारे मन से कभी हटने नहीं दिया। आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर इसका प्रमाण है।" भाजपा मऊगंज जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि विधायक गिरीश गौतम के समर्थन और विकास के जुनून ने देवतालाब शिवलोक को भव्य और दिव्य स्वरूप प्रदान किया है। यह स्थान विंध्य क्षेत्र में श्रद्धा का केंद्र बन चुका है और मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों में स्थापित हो रहा है।

टमस नदी में 5 साल के बच्चे की डूबने से मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा थाना क्षेत्र के चांदी गांव में एक दुखद हादसा सामने आया है, जहां टमस नदी में नहाते समय 5 वर्षीय बच्चा रविराज सोनकर गहरे पानी में डूब गया। घटना उस समय हुई जब रविराज अपने दोस्तों के साथ बकरियां चराने के बाद नदी में नहाने गया था।

जानकारी के अनुसार, रविराज, जो राजमणि सोनकर का पुत्र था, अपने साथियों के साथ नदी में उतरा और गहरे पानी में चला गया। घटना की सूचना मिलते ही जवा थाना प्रभारी कमलेश साहू अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। स्थानीय लोगों के साथ-साथ रेस्क्यू टीम भी बच्चे की तलाश में जुटी है, लेकिन तेज बहाव के कारण बचाव कार्य में मुश्किलें आ रही हैं।

पुलिस और स्थानीय लोग लगातार बच्चे की खोज में जुटे हैं, लेकिन अभी तक उसका पता नहीं चल सका है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि नदी में बारिश का पानी और तेज बहाव रेस्क्यू कार्य को चुनौतीपूर्ण बना रहा है।



बिछिया नदी में डूबे युवक का शव तीसरे दिन खड्डा गांव के पास मिला

शहर की बिछिया नदी में डूबे युवक का शव तीसरे दिन मिला है। शव शहर से लगभग 12-15 किमी दूर शाहपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के खड्डा गांव के समीप बीहर नदी में पाया गया। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और शव को नदी से बाहर निकाला। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, बीते शुक्रवार को बिछिया निवासी आर्यन खान, पिता कमरुल हसन, अपने दोस्तों के साथ नदी में रील बनाने के लिए खलांग लगाई थी।

इस दौरान उसके दोस्त तैरकर किनारे पहुंच गए, लेकिन आर्यन तेज धार में बह गया। दो दिनों तक चली तलाश के बाद कोई सुराग नहीं मिला था। आज रविवार सुबह उसका शव खड्डा गांव के पास बिहार नदी में देखा गया।

मृतक की पहचान आर्यन के रूप में की गई है, और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है।



अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का 58वां स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन

‘शिक्षा में संस्कार के साथ स्वावलंबन, स्वाभिमान व मूल्य आवश्यक’

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री और रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि शिक्षा में संस्कार के साथ स्वावलंबन, स्वाभिमान व मूल्य आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय शिक्षा का उ-म स्थल है, जहाँ से कई पीढ़ियाँ सफलताओं के शिखर पर पहुँचती हैं और आने वाले समय में भी पीढ़ियाँ उत्तरोत्तर आगे बढ़ती रहेंगी। उन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए मनीषियों के संकल्पों को पूरा करने का आह्वान किया। प्रभारी मंत्री ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के 58वें स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय के पंडित शंभूनाथ शुक्ल सभागार में स्थापना दिवस समारोह में प्रभारी मंत्री ने कहा कि शिक्षा के विषय में हमारे वेदों ने सद्बिचार उद्भूत किए हैं। शिक्षा सिर्फ बुद्धि बढ़ाने का माध्यम नहीं है। शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों की भी इसमें सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परिश्रम से ही सफलता में उच्च स्थान प्राप्त होता है। सद्बिचार व्यक्ति को ऊँचाईयों तक पहुँचाने में सक्षम होते हैं। पटेल ने युवा पीढ़ी से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के परिवेश में नशा चुनौती बन गया है। इससे दूर रहकर ही आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने पानी का बचाव करने तथा वृक्षारोपण कर इनको संरक्षित करने का आह्वान इस अवसर पर किया। पटेल ने विश्वविद्यालय में नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए कुलगुरु को बधाई दी तथा संस्कृति एवं विरासत के क्रम में बधेलखण्ड के साहित्य,



स्टार्टअप, सामुदायिक भागीदारी आदि से संबंधित पाठ्यक्रमों को भी शामिल किए जाने का सुझाव दिया।

उन्होंने अपने उद्बोधन से पूर्व नशामुक्ति की राश्व उपस्थित व्यक्तियों को दिलाई।

कार्यक्रम में पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय सफलता की नित नई

ऊँचाईयाँ छू रहा है। विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए स्वर्गीय अवधेश प्रताप सिंह ने जो सपना देखा उसे पूर्व मुख्यमंत्री गोविंद नारायण सिंह ने पूरा किया। यह विश्वविद्यालय देश में अपनी उच्चतम रैंकिंग में पहुंचे यही शुभकामनाएं हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु राजेन्द्र कुमार कुड़रिया ने कहा कि आज का दिन पुरानी स्मृतियों को याद करने व भविष्य के संकल्प को पूरा करने का दिन है। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के लिए गौरव का दिन है जबकि प्रभारी मंत्री जी स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। कुलगुरु ने बताया कि विश्वविद्यालय में नवीन सत्र से 32 डिप्लोमा व डिग्री के पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं जो समय के हिसाब से कारगर व उपयोगी साबित होंगे।

कुलसचिव सुरेन्द्र सिंह परिहार ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की शोध पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इससे पूर्व प्रभारी मंत्री ने अवधेश प्रताप सिंह जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में अंत में आधार प्रदर्शन प्रोफेसर सुनील तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, डॉ अजय सिंह, गजेन्द्र दुबे, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्यजन, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी व कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शराब के लिए पैसे मांगने और मारपीट का आरोपी गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिरमौर पुलिस ने शराब पीने के लिए पैसे मांगने और मारपीट करने के मामले में चरित कार्रवाई करते हुए आरोपी निलेश कुमार पांडे उर्फ जीतू पांडे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन तथा एसडीओपी सिरमौर उमेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिरमौर उप निरीक्षक दीपक तिवारी और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की।

जानकारी के मुताबिक 19 जुलाई 2025 को फरियादी मनोज पांडे ने सिरमौर थाने में शिकायत दर्ज कराई कि रात को वह अपने घर के बाहर बैठे थे, तभी आरोपी निलेश उर्फ जीतू पांडे ने उनसे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर मनोज के साथ हाथ, लात और घूंसे से मारपीट की। साथ ही, जान से मारने की धमकी देकर वहां से चला गया। शिकायत के आधार पर थाना सिरमौर में धारा 296, 118(1), 119(1), 115(2), और 351(2) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। निलेश कुमार पांडे उर्फ जीतू, पिता मंगलेश्वर प्रसाद पांडे, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम सदहनाथाना, सिरमौर, जिला रीवा। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सिरमौर उप निरीक्षक दीपक तिवारी, उप निरीक्षक पीके सतनामी, प्रधान आरक्षक अशोक सिंह (537), और आरक्षक कैलाश सोलंकी (354) की भूमिका सराहनीय रही।

दी और विरोध करने पर मनोज के साथ हाथ, लात और घूंसे से मारपीट की। साथ ही, जान से मारने की धमकी देकर वहां से चला गया। शिकायत के आधार पर थाना सिरमौर में धारा 296, 118(1), 119(1), 115(2), और 351(2) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। निलेश कुमार पांडे उर्फ जीतू, पिता मंगलेश्वर प्रसाद पांडे, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम सदहनाथाना, सिरमौर, जिला रीवा। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सिरमौर उप निरीक्षक दीपक तिवारी, उप निरीक्षक पीके सतनामी, प्रधान आरक्षक अशोक सिंह (537), और आरक्षक कैलाश सोलंकी (354) की भूमिका सराहनीय रही।

ट्रक और डंपर की टक्कर, चालक-खलासी गंभीर रूप से घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा-सतना मार्ग पर बेला के रोहिया गांव के पास आज सुबह तेज रफ्तार ट्रक और डंपर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में ट्रक के चालक रिकू और खलासी प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को हाइवे एंबुलेंस के बाहर बैठे थे, तभी आरोपी निलेश उर्फ जीतू पांडे ने उनसे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी है।

बताया गया कि दोनों वाहन विपरीत दिशाओं से आ रहे थे और तेज रफ्तार के कारण चालकों ने नियंत्रण खो दिया, जिससे टक्कर हो गई। हाइवे एंबुलेंस के पैरामेडिकल स्टाफ दीपक मिश्रा ने बताया कि घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 69 मीसाबंदियों का होगा सम्मान



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने और वरिष्ठ समाजसेवी एवं मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव के 69वें जन्मदिन के अवसर पर 29 जुलाई 2025 को कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में "मीसाबंदी सम्मान समारोह" आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विंध्य क्षेत्र के 69 मीसाबंदियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने 1975 के आपातकाल में लोकतंत्र की रक्षा के लिए मीसा कानून के तहत डेढ़ वर्ष जेल में बिताए।

सर्व सामाजिक संगठन द्वारा आयोजित इस समारोह की जानकारी देने के लिए आयोजित पत्रकार वार्ता में शहीद भगत सिंह सेवा समिति के अध्यक्ष सुजीत द्विवेदी, अभ्युदय उपकार फाउंडेशन की अध्यक्ष अनामिका शुक्ला, हेलिपैज हैंड्स फाउंडेशन की अध्यक्ष तमना अंसारी, युवा एकता कल्याण संघ के अध्यक्ष

राजारखन पटेल, साईशा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष साकेत श्रीवास्तव, माँ जानकी सेवा समिति के अध्यक्ष इंजी. घनश्याम पटेल, प्रयास रक्तदान सेवा संगठन के अध्यक्ष अवनीश तिवारी, रीजनल एनवायरमेंट एण्ड ह्यूमेनिटी ऑर्गेनाइजेशन की अध्यक्ष ममता मिश्रा, युवा समाजसेवी शुभम सिंह और सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, साहित्यकार, संगीतकार, पत्रकार, शिक्षाविद, चिकित्सक, अधिवक्ता और रंगकर्मी सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि सुभाष श्रीवास्तव के जन्मदिन पर पिछले सात वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को सम्मानित किया जाता रहा है। इस वर्ष 69 मीसाबंदियों को सम्मानित करने की पहल की गई है।

प्रभारी मंत्री का हुआ स्वागत



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल अपने एक दिवसीय प्रवास पर रीवा पहुंचे। रीवा राजनिवास सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। प्रभारी मंत्री

ने इस अवसर पर आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। सर्किट हाउस में प्रभारी मंत्री ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से विचार-विमर्श किया।